ISSN 2349-6614

दिसम्बर 2022

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

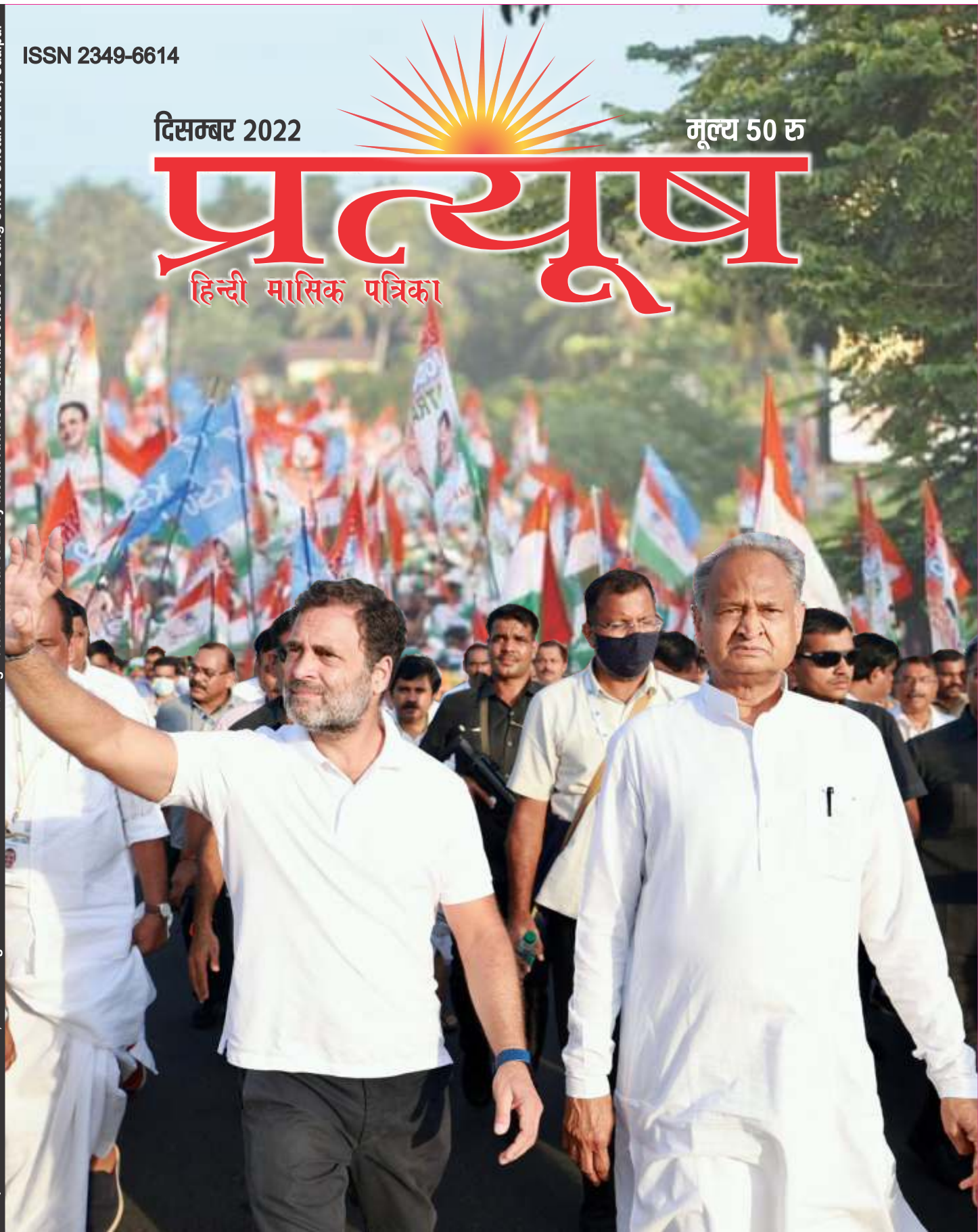

'भारत जोड़ो यात्रा मेरे लिए एक तपस्या की तरह है। देश की एकजुटता की लम्बी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 20 अंक 8, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

REIMAGINING
a healthier planet

For over 75 years, teams at PI have been researching and developing smart crop protection solutions that help our farmers and ensure crop productivity.

With a strong belief that there can be no growth that is not sustainable, a new business paradigm has prompted the need to reimagine the future in a more holistic and responsible manner. Powered by technological prowess and a more agroecological approach, we are constantly pushing the boundaries of science to explore products and transformative solutions in life sciences for a healthier planet and a sustainable tomorrow.

Inspired by Science

PI Industries Ltd.

www.piindustries.com | info@piind.com

दिसम्बर 2022
वर्ष: 20, अंक: 8

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
"रक्षाबंधन", धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

राष्ट्र गौरव

भारत करेगा जी-20 का नेतृत्व 10

व्यक्ति चर्चा

ब्रिटेन के आर्थिक घटाटोप में सुनक उम्मीद की किरण 18

योगासन

ठंड से बचाए यौगिक क्रियाएं 22

पहल

भारत में ई-रुपया का आगाज़ 30

कीर्ति पुरुष

भारत गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपतिः राजेन्द्र बाबू 40

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

M/s SK Khetan Infraprojects Pvt. Ltd.

S.K. KHETAN GROUP OF COMPANY'S

43-44, 'I' Block Sector 14, Hiran Magri, Udaipur -313002 (Raj.)
Phone. +91 294-2640999

SERVICES

Complete solution for underground and opencast mining in coal and metal, Real Estate all type of civil work, road works, and crusher plants.

SHASHI KANT KHETAN
(Managing Director)

आठ अरब उम्मीदें, आठ अरब सपनें

दुनिया की आबादी 15 नवम्बर को 8 अरब के पार हो गई। इस दिन दोपहर पृथ्वी पर 8 अरबवें बच्चे ने जन्म लिया। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, दुनिया की जनसंख्या 7 से 8 अरब तक पहुंचने में 17.7 करोड़ लोगों का सर्वाधिक योगदान भारत का है। दूसरे नम्बर पर चीन है जिसने 7.3 करोड़ लोग जोड़े। इस दृष्टि से भारत 2023 तक चीन को पछाड़ कर सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने जनसंख्या के 8 अरब तक पहुंचने को उल्लेखनीय 'मील का पत्थर' करार दिया है। आबादी की वृद्धि मानवता की उपलब्धियों का प्रमाण है, जिसमें गरीबी और लैंगिक असमानता में कमी, स्वास्थ्य देखभाल में प्रगति और शिक्षा तक पहुंच तक का विस्तार शामिल है। जिस वक्त जनसंख्या ने इस विराट आंकड़े को छुआ है, वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी की मार से उबरने के लिये जद्दोजहद कर रही है, और एक विशाल आबादी बढ़ती महंगाई और गहराते खाद्यान संकट से जूझ रही है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, पिछले साल 19.3 करोड़ लोगों को एक वक्त के भोजन के लिए भी तरसना पड़ा था। ऐसे में, जब यह विश्व संस्था यह बता रही है कि अगले 15 वर्षों में वैश्विक आबादी 9 अरब की सीमा को छू सकती है, तब हमें कुछ बुनियादी बातों पर जरूर गौर करना होगा। विश्व में बढ़ती आबादी अपने आप में एक चुनौती भी है क्यों कि वह पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती पेश कर रही है। इसे लेकर पिछले कई वर्षों से सभी देश माथापच्ची कर रहे हैं, लेकिन कोई सहमति नहीं बन पा रही है। ऊर्जा के परम्परागत साधनों और विशेष रूप से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना सबसे बड़ा सवाल है। चिंता यह भी है कि अधिक जनसंख्या प्राकृतिक संसाधनों के अधिकाधिक दोहन का दबाव बढ़ाएगी। जिसका पर्यावरण पर कैसा असर होगा, यह किसी से छिपा नहीं है। बढ़ती आबादी और उसकी गतिविधियां पृथ्वी के तापमान को बढ़ा रही हैं, जो अनेक समस्याएं पैदा कर रहा है। साथ ही वह फसल चक्र के लिए भी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है। जैसे-जैसे देशों की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी, उनमें ऊर्जा की मांग भी बढ़ेगी। इससे पर्यावरण पर और अधिक बोझ पड़ेगा। भारत को जनसंख्या नियोजन के लिए अभी से ठोस कदम उठाने होंगे। दरअसल, किसी भी देश की जनसंख्या को वहां के सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्रभावित करती है। भारत में ब्रिटिश राज के दौरान सामाजिक ढांचा (विशेषकर शिक्षा एवं स्वास्थ्य का) बहुत कमजोर था, जिसके कारण शिशु मृत्यु-दर करीब-करीब जन्म-दर के बराबर थी, इसलिए हमारी आबादी बहुत धीमी रफ्तार से बढ़ रही थी। मगर आजादी मिलने के बाद केन्द्र और राज्य सरकारों ने सामाजिक ढांचे पर काफी ध्यान दिया, जिससे शिशु मृत्यु-दर में गिरावट आई, पर जन्म-दर बरकरार रही। नतीजतन, जनसंख्या तकरीबन 2.5 फिसदी की दर से सालाना बढने लगी। भारत में फिलहाल दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी है, लेकिन इसका देश के विकास में भरपूर लाभ कैसे लिया जाए, यह हमारे तन्त्र के लिए गंभीर चुनौती हैं। इसके लिए ऐसे विशेष उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जहां उनके लिए समुचित शिक्षा तथा रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। इसके अलावा उद्योग-व्यापार को बढ़ावा देने में भी कुछ खास उपायों की जरूरत है, ताकि देश में कृषि क्षेत्र में जरूरत से ज्यादा आबादी की निर्भरता को कम कर उसकी उत्पादकता का सही इस्तेमाल किया जा सके। हालांकि बढ़ती जनसंख्या चुनौती है, तो इसे अवसर भी कह सकते हैं। जापान, कोरिया जैसे देशों में जनसंख्या का घनत्व भारत से ज्यादा है, मगर वे हमसे कहीं अधिक समृद्ध हैं, जबकि अपने देश में सबसे अधिक बेरोजगारी 15 से 29 आयु-वर्ग में ही है। भारत में बढ़ती आबादी को स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण युक्त भोजन आदि उपलब्ध कराकर इसे अवसर में बदला जा सकता है, अगर हम अपनी बड़ी आबादी का उपयोग वरदान के रूप में चाहते हैं तो आर्थिक नीतियों तथा विकास मॉडल की भी समीक्षा करनी होगी। हमें असंगठित क्षेत्र पर भी ध्यान देना होगा। हमारी आर्थिक नीतियां रोजगार सृजन को महत्व देने के बजाय निवेश पर जोर देती हैं और करीब 80 प्रतिशत निवेश संगठित क्षेत्र में होता है, जहां नए रोजगार पैदा होने की संभावना बहुत कम होती है। कुल-मिलाकर जनसंख्या से जुड़ी तमाम समस्याओं के मूल में बेरोजगारी है। जनसंख्या समस्या तब बनती है जब हाथों को काम नहीं मिलता। इसलिए हमें रोजगार के अवसर पैदा करके बढ़ती आबादी को एक वरदान के रूप में बदलने की तरफ बढ़ना चाहिए।

गरीब सवर्णों के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

रमेश जोशी

सुप्रीम कोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में दस प्रतिशत आरक्षण को वैध करार देकर न केवल सरकार को बल्कि इस वर्ग को भी एक बड़ी राहत दी है। हालांकि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को दिए जाने वाले आरक्षण को सही ठहराने वाला यह फैसला सर्वसम्मति ने नहीं आया है, लेकिन फैसले पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मुख्य न्यायाधीश ललित (अब सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ के 3-2 बहुत से आर्थिक आरक्षण को उचित बताने वाले 7 नवम्बर के निर्णय की मुख्य बात यह रही कि इसे संविधान के मूल ढांचे के उल्लंघन रूप में रेखांकित नहीं किया गया है। गौरतलब है कि मुख्य न्यायाधीश ललित और न्यायमूर्ति एस. रविन्द्र भट्ट ने इसे संविधान सम्मत नहीं माना है। जबकि तीन न्यायाधीशों न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने इसके पक्ष में फैसला दिया है। सर्वोच्च अदालत का यह फैसला स्वागतयोग्य माना जाना चाहिए, क्योंकि संविधान पीठ ने इस मुद्दे की मूल भावना को केन्द्र में रखते हुए उसे तरजीह दी और सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर तबके को ऊपर लाने और इस दिशा में सरकार के प्रयासों पर अपनी सहमति दी। हालांकि आरक्षण हमेशा से एक संवेदनशील मुद्दा रहा है और इससे जुड़े मुद्दों को लेकर विवाद उठते रहे हैं। ऐसे में इस पर सहमति-असहमति बननान भी स्वाभाविक है। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार ने वर्ष 2019 में 103वां संविधान संशोधन लागू करन आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया था। लेकिन इस संविधान संशोधन को संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन बताते हुए इसकी वैधता को चुनौती दी गई थी।

सर्वोच्च न्यायालय के इस अहम फैसले पर राजनीति भी तेज हो गई है। अधिकतर राजनीतिक पार्टियों ने इस फैसले का स्वागत किया है, तो वहीं दलित समुदाय के कुछ बुद्धिजीवियों के स्वर प्रतिकूल हैं। आखिर नाराजगी कहां है और क्यों है ? दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय पहले आरक्षण को 50 प्रतिशत से बढ़ाने से इनकार कर चुका है। ओबीसी वर्ग को जब ज्यादा आरक्षण देने की बात आती है, तब इंदिरा साहनी मामले में लगी 50 प्रतिशत की ऊपरी सीमा का हवाला दे दिया जाता है, लेकिन जब 10 प्रतिशत आरक्षण गरीब सवर्णों को मिलेगा, तब आरक्षण की सीमा वैसे ही 60 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इसका सीधा सा अर्थ है, 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा का अब कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं रह गया है।

आरक्षण की कहानी

- **7 अगस्त 1990** तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने का ऐलान संसद में किया। इसके मुताबिक पिछड़े वर्ग को सरकारी नौकरी में 27 फीसदी आरक्षण देने की बात कही गई। जो पहले से चले आ रहे अनुसूचित जाति-जनजाति को मिलने वाले 22.5 फीसदी आरक्षण से अलग था। इस फैसले का सवर्ण समुदाय में भारी विरोध हुआ।
- **मंडल** कमीशन की सिफारिशें लागू करने का विरोध करते हुए पत्रकार इंदिरा साहनी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। इसी बीच सरकारें बदलती रही। पीवी नरसिंह राव प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने सवर्णों के गुस्से को शांत करने के लिए 25 सितम्बर 1991 के आर्थिक आधार पर 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान कर दिया। दोनों मामले की सुनवाई के लिए नौ सदस्यीय संविधान पीठ बनी।
- **संविधान** पीठ ने इंदिरा साहनी केस में फैसले देते समय इस आरक्षण को खारिज कर दिया। नौ जजों की पीठ ने कहा कि आरक्षित स्थानों की संख्या कुल उपलब्ध स्थान के 50 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के इसी ऐतिहासिक फैसले के बाद से कानून बना था कि 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण नहीं दिया जा सकता।

सिन्हो आयोग की रिपोर्ट बनी आधार

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण का मामला वर्षों पहले ही चर्चा में आया था। तत्कालीन यूपीए सरकार ने मार्च 2005 में मेजर जनरल रिटायर्ड एसआर सिन्हो आयोग का गठन किया था, जिसने साल 2010 में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर ईडब्ल्यूएस आरक्षण दिया गया। रिपोर्ट में कहा था कि सामान्य वर्ग के गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले सभी परिवारों और ऐसे परिवारों जिनकी सभी स्रोतों से सालाना आय आयकर की सीमा से कम होती है, उन्हें आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग माना जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मंडल आयोग मामले में आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी तय कर दी थी।

इन्हें मिलेगा फायदा

- जिन लोगों की सालाना आय आठ लाख से कम होगी, ऐसे लोग ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे। खास बात, आय के स्रोतों में सिर्फ तनख्वाह ही नहीं, कृषि, व्यवसाय और अन्य पेशे से मिलने वाली आय भी शामिल होगी।
- अगर कोई व्यक्ति गांव में रहता है। ऐसे में उसके पास पांच एकड़ से कम आवासीय भूमि होने चाहिए, साथ ही 200 वर्ग मीटर से अधिक आवासीय जमीन नहीं होना चाहिए। वहीं शहरों में रहने वाले लोगों के पास भी 200 वर्ग मीटर से अधिक आवासीय जमीन न हो।
- जो लोग इस कोटे के तहत नौकरियों या कॉलेजों में दाखिले के लिए आवेदन करेंगे, उन्हें आय और सम्पत्ति प्रमाण पत्र दिखाना होगा। यह प्रमाण पत्र तहसीलदार या उससे ऊपर पद के राजपत्रित अफसर ही जारी करते हैं।
- अगर आप ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करने जा रहे हैं। ऐसे में आपके पास पहचान पत्र, राशन कार्ड, स्वयं घोषित प्रमाण पत्र, आधार, आयु व जाति प्रमाण पत्र, आय, मूल निवास प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर, पैन कार्ड और व अन्य दस्तावेज जरूरी होंगे।

नीट आरक्षण से उठी आवाज

केन्द्र सरकार ने 2019 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में 10 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की थी। फिर 29 जुलाई 2021 को नीट परीक्षा में आरक्षण को लेकर फैसला लिया। कहा गया कि अंडर ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल कॉलेज में ओबीसी समुदाय को 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। इस फैसले के बाद नीट की तैयारी कर रहे छात्र सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। कहा कि केन्द्र का फैसला सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें कहा गया है कि किसी भी स्थिति में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से ऊपर नहीं होना चाहिए।

सर्वोच्च अदालत के फैसले के बाद सरकार के लिए बड़ी चुनौती अब इस पर अमल की है। देखना होगा कि सरकार कैसे ईमानदारी के साथ इसे लागू करवाती है। आरक्षण को लेकर एक बड़ा सवाल अब तक यही उठता रहा है कि सामाजिक रूप से जिन पिछड़े और दबे-कुचले वर्गों को आरक्षण का लाभ देकर उन्हें ऊपर लाना चाहिए था, उसमें सरकार सफल नहीं हो पाई। आरक्षण का लाभ लेकर हर तरह से संपन्न बने लोग भी इसका लाभ उठा रहे हैं। इसलिए आरक्षण को लेकर एक तार्किक नीति बनाने की मांग भी लंबे समय से उठती रही है। आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण देने के पीछे भी मूल भावना यही है कि सिर्फ आर्थिक अभाव की वजह से कोई अवसरों में न पिछड़े। अगर सरकार और राजनीतिक दल वाकई देश के कमजोर तबकों को ऊपर उठाना चाहते हैं तो इसे सिर्फ चुनावी फायदे के रूप में देखने की प्रवृत्ति से मुक्ति पानी होगी और राजनीति से ऊपर उठकर पहल करनी होगी। तभी सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों का भला हो पाएगा।

असहमत ईडब्ल्यूएस आरक्षण : संविधान पीठ सहमत

प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित

न्यायमूर्ति एस रवीन्द्र भट्ट

न्यायाधीश दिनेश माहेश्वरी

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला

पांच अहम सवाल

1 अब आरक्षण का गणित क्या होगा

वर्तमान में शिक्षा और रोजगार में 49.5 फीसदी सीटें आरक्षित हैं, इसमें 15 फीसदी एससी, 7.5 फीसदी एसटी और 27 फीसदी ओबीसी है। अब इसमें 10 फीसदी गरीबों का कोटा और जुड़ गया है, जिससे आरक्षण 60 फीसदी हो गया है। यह बदलाव लागू हो चुका है।

2 फैसले से दाखिले पर क्या असर होगा

ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी आरक्षण देने से मौजूदा आरक्षण पर फर्क पर नहीं पड़ेगा। सरकार ने कहा है कि शिक्षण संस्थानों में दो लाख सीटें बढ़ाई गई हैं, जिससे सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए बचे हुए 50 फीसदी में कोई कमी नहीं आएगी।

3 क्या नौकरियों पर कोई प्रभाव पड़ेगा

नौकरियों पर इसका असर पड़ेगा क्योंकि सरकार ने नौकरियों में सामान्य वर्ग के लिए 50 फीसदी कोटे में कोई इजाफा नहीं किया है। सामान्य वर्ग के गरीबों का 10 फीसदी कोटा जुड़ने से कुल आरक्षण 60 फीसदी हो जाएगा।

4 आर्थिक आधार पर कोटे की राह खुलेगी?

विशेषज्ञों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने देश में आथिक आरक्षण का रास्ता खोल दिया है। अभी तक आरक्षण सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग को दिया जाता था, लेकिन अब आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को भी आरक्षण मिलेगा।

5 क्यों जरूरी था यह फैसला

अदालत ने कहा कि कमजोर लोगों की जरूरत पूरी करने और समाज में बराबरी लाने के लिए ईडब्ल्यूएस कोटा बहुत जरूरी है।

राजस्थान सरकार

#मॉडल_स्टेट_राजस्थान

बेहतर शिक्षा. नए अवसर.

सेवा ही कर्म, सेवा ही धर्म

- लगभग 1 लाख प्रतिभाशाली बच्चों को टैबलेट दिये जायेंगे।
- 69681 अध्यापकों की नवीन भर्ती लगभग 90 हजार शिक्षक पदों पर भर्तियाँ प्रक्रियाधीन।
- राज्य में 1658 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा।
- 10 हजार अंग्रेजी माध्यम शिक्षकों का नवीन काडर।
- राज्य के सभी सेकेण्डरी स्कूलों को सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में क्रमोन्नत करने का निर्णय।
- प्रतिवर्ष 20,000 छात्राओं को स्कूटी वितरण
- बालिका शिक्षा प्रोत्साहन के लिए बालिका प्रोत्साहन योजना, आपकी बेटी योजना एवं गार्गी पुरस्कार के तहत **180.69 करोड़ रुपये** की प्रोत्साहन राशि जारी।
- आरटीई के तहत **1274.78 करोड़ रूपये** की राशि का पुनर्भरण।

- यूनीक आईटी इंस्टीट्यूट - राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट, जोधपुर में प्रस्तावित, कुल लागत **600 करोड़ रुपये**
- मेडि-टेक, क्लाइमेट टेक एवं एग्रीटेक आदि की उन्नत तकनीकों पर रिसर्च के लिए - राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड लर्निंग, जयपुर।
- जयपुर, जोधपुर एवं कोटा में राजीव गांधी नॉलेज इनोवेशन हब कुल लागत **200 करोड़ रुपये**
- फिनिशिंग स्कूल: राजीव गांधी सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (R-CAT),जयपुर
- गत 4 वर्षों में 211 नवीन महाविद्यालय खोले गए। इनमें से 94 कन्या महाविद्यालय ।
- जिन विद्यालयों में 500 से अधिक छात्राएं वहां कन्या महाविद्यालय खोलने की घोषणा।
- प्रतिवर्ष 200 बच्चों की विदेश में पढ़ाई का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन।
- गत 4 वर्षों में 42 नवीन कृषि महाविद्यालय।

"राज्य में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास किये गये हैं। इसके फलस्वरूप आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी, एनआईएफटी, एफडीडीआई, एम्स, एनएलयू, आयुर्वेद विश्वविद्यालय, हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान आज राजस्थान में संचालित हैं। राज्य में तकनीकी और मेडिकल शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। निजी क्षेत्र में विश्वविद्यालय खोले जाने की अनुमति से राज्य में शिक्षा का वातावरण बना है और विश्वविद्यालयों की संख्या 6 से बढ़कर 89 हो गई है। इससे राज्य के विद्यार्थियों को अन्य प्रदेशों में जाने के स्थान पर प्रदेश में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। साथ ही मुझे प्रसन्नता है कि राज्य के राजकीय शिक्षण संस्थानों में छात्राओं का नामांकन छात्रों से अधिक हो गया है। बालिका शिक्षा के लिए किए गए कार्यों से आज हमारी बेटियां शिक्षा जगत में नए आयाम स्थापित कर रही हैं एवं उनमें गजब का आत्मविश्वास है।"

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

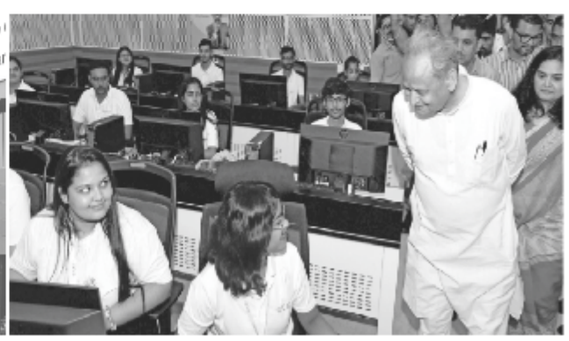

अधिक जानकारी के लिए 181 पर कॉल करें या https://jankalyan.rajasthan.gov.in पर विजिट करें

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

09 दिसम्बर 2022

भारत करेगा जी-20 का नेतृत्व

साझा हितों को साधने की चुनौती, इसी माह शेरपा बैठक की मेजबानी करेगी झीलों की नगरी

योगेश नागदा

भारत एक दिसम्बर 2022 से 30 नवम्बर, 2023 तक जी-20 की अध्यक्षता करेगा। भारत को इसका नेतृत्व करते हुए देशों के बीच दूरियां पाटने, विवादों और मतभेदों को खत्म करने, सदस्य देशों के साथ ही विश्व में शांति स्थापन और संघर्षों के शमन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना होगा। इसमें सफलता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रों के बीच खण्डित आपूर्ति श्रृंखलाओं की पुन: बहाली के रास्ते और समाधान खोजने होंगे। दुनिया के विकसित और तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करते ही संगठन की महत्वपूर्ण बैठक 4 से 7 दिसम्बर तक होगी। जिसकी मेजबानी राजस्थान करेगा। तीन दिन की यह बैठक झीलों की नगरी उदयपुर में होगी, जिसमें जी-20 के शेरपा ट्रेक के 300 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। शेरपा कांफ्रेंस में विश्व के 20 देशों के 43 प्रतिनिधि मंडलों की अलग-अलग बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, पर्यटन समेत पूरे विश्व को प्रभावित कर रहे अन्य विषयों पर मंथन किया जाएगा। इस आयोजन के दौरान अंतिम दिन प्रतिनिधि मण्डलों का शौर्यूभूमि चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, प्राकृतिक सुषमा से आवेष्टित और मंदिर शिल्प के लिए विख्यात रणकपुर का भ्रमण भी प्रस्तावित है।

चुनौतियां

विश्व के सामने वर्तमान में मुख्य तौर पर पांच चुनौतियां हैं, जिनका हल निकालने या फिर उनका सामना करने में जी-20 अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। बड़ी चुनौती संवेदनशील और नए तरीके से सोचने की जरूरत होगी, ताकि पश्चिम और रूस दोनों को युद्ध का मैदान बन चुके यूक्रेन से पीछे हटाया जा सके। जी-20 से रूस को बाहर निकालना, जैसा कि पश्चिम देश चाहते हैं, संभव नहीं है। साथ ही रूस-यूक्रेन की लड़ाई का लम्बे समय तक जारी रहना भी संभव नहीं है। ऐसे में दोनों के लिए एक ही रास्ता शेष है और वो है रणनीतिक वापसी। पश्चिम अपनी तरफ से आगे बढ़कर यूक्रेन की उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नेटो) की सदस्यता को ठंडे बस्ते में डाल सकता है, क्योंकि यही वो मसला है जिस पर रूस आग बबूला है।

मुद्रास्फीति

अगर भारत पहली चुनौती से पार पाने में सफल हो जाता है, तो दूसरी चुनौती, यानी पूरी दुनिया में महंगाई, खासकर खाद्य वस्तुओं की महंगाई की वजह से वैश्विक स्तर पर छाई मुद्रास्फीति की समस्या का स्वत: समाधान हो जाएगा। अगर ऐसा नहीं होता है, तो फिर इस चुनौती से निपटने के लिए अलग से प्रयास जरूरी होंगे। फिलहाल, जी-20 से 19 सदस्यों में तीन सदस्य देशों में महंगाई दर 10 फीसद से अधिक है, सात देशों में महंगाई दर 7.5 से 10 फीसद के बीच है, पांच देशों में महंगाई दर पांच फीसद से कम है। हालांकि दुनिया की बाकी अर्थव्यवस्था की तुलना में मुद्रास्फीति अभी सारे जी-20 सदस्य देशों के लिए कोई गंभीर चुनौती नहीं है।

ऊर्जा संकट

एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती है ऊर्जा। रूस दुनिया को यह बता रहा है कि उसके खिलाफ प्रतिबंध भविष्य में उसकी अर्थव्यवस्था को जरूर प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन फिलहाल इन प्रतिबंधों का उस पर कोई प्रभाव नहीं हो पा रहा है। रूस की प्रतिक्रिया से जो सबसे अधिक प्रभावित हैं, वो हैं गैस पर निर्भर यूरोपीय देश। रूस से बहुत कम मात्रा में तेल खरीदने के लिए भारत को दोषी ठहराना, केवल पश्चिम के ढोंग को सामने लाएगा, इससे समस्या का समाधान नहीं होगा। इसका सामना करने के लिए भारत को तीन अलग-अलग जी-20 ऊर्जा हितों-मुख्य रूप से ऊर्जा उत्पादक (अमेरिका, रूस और सऊदी अरब) बनाम ऊर्जा उपभोक्ताओं (यूरोप और अन्य) को एक साथ व्यवहारिक मंच पर ले जाने की आवश्यकता है।

राजनीतिक अस्थिरता

लोकतांत्रिक देशों में बेतहाशा महंगाई राजनीतिक अस्थिरता का कारण बन सकती है। इसलिए महंगाई को काबू में रखना सिर्फ आर्थिक लिहाज से जरूरी नहीं है, बल्कि यह एक राजनीतिक प्राथमिकता भी है। अधिकतर देशो में केन्द्रीय बैंक इस पर काबू पाने के लिए मौद्रिक नीति के घीसे-पिटे हथकंडे का उपयोग करते हुए ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं। इस तरह के उपायों से अतिरिक्त खपत पर लगाम अवश्य लग सकती है, लेकिन आपूर्ति पक्ष की समस्या का समाधान नहीं हो सकता है।

शांति और समृद्धि का देंगे संदेश

भारत जी-20 की अध्यक्षता के दौरान गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी के युद्ध से मुक्ति व हिंसा के प्रतिरोध के साथ शांति, समाधान एवं समृद्धि की राह दिखाएगा। भारत जहां विकसित देशों की घनिष्टता रखता है, वहीं विकासशील देशों के दृष्टिकोण को भी अच्छी तरह समझता है और उसकी अभिव्यक्ति करता है। हमारा प्रयास रहेगा कि विश्व में कोई भी प्रथम विश्व या तृतीय विश्व न हो, बल्कि केवल एक विश्व हो।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

(जी-20 के नए प्रतीक चिह्न के नई दिल्ली में 8 नवम्बर को लोकार्पण के दौरान व्यक्त विचार)

क्या है शेरपा कांफ्रेंस

जी-20 की तीन कार्यशील शाखाओं में से एक महत्वपूर्ण शेरपा ट्रेक है। इस समूह में हर देश के प्रभारी प्रतिनिधि शामिल होते हैं। समूह भ्रष्टाचार निरोधक, कृषि, डिजिटल इकोनॉमी, रोजगार, पर्यावरण समेत अपनी 12 कार्यशील स्ट्रीम्स के जरिए काम करता है। सालभर तक इसकी बैठकें चलती रहती हैं और निर्णयों पर सदस्य देशें में आपसी सहमति बनाने की जिम्मेदारी इसी समूह पर होती है। जी-20 में भारत, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, अमरीका और यूरोपियन यूनियन शामिल है।

दुल्हन सा सजा उदयपुर

जी-20 शेरपा सम्मेलन के मेहमानों के स्वागत के लिए नागरिकों और जिला प्रशासन ने शहर और आसपास के पर्यटकीय स्थलों को दुल्हन सा सजा दिया है। चौराहों व परकोटे को मेवाड़ी परम्परा व चित्रशैली से सजाया गया है। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट व जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने जहां रोजाना बैठकें कर हर विभाग को इस संबंध में जिम्मेदारियां सौंपी वहीं आईजी पुलिस हिंगलाज दान व पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने कानून व्यवस्था पर फोकस किया है।

Deepak Bordia
Chartered Engineer, M.I.E., F.I.V.
Approved Valuer

BORDIA & ASSOCIATES

ARCHITECTURAL DESIGNER, PLANNER & BUILDER EXECUTE ALL KIND OF CIVIL ENGINEERING WORKS

211, Shubham Complex 11-A New Fatehpura, Near Sukhadia Circle,
Udaipur - 313 001 (Raj.) e-mail: deepakbordia@yahoo.com
Mob.: 94141-65465, Ph.: 2419465 (O), 2524202 (R)

30 लाख बच्चों का जन्म हर साल प्रदूषण की वजह से पहले हो रहा

खराब हवा में सांस लेना गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा

सुनील दाधीच

गर्भवती महिलाएं यदि खराब हवा विशेषकर औद्योगिक प्रदूषण के सम्पर्क में आती हैं, तो इसका असर उनकी कोख में पल रहे बच्चे पर भी पड़ता है। इसके दुष्परिणामों के कारण जन्म के समय शिशु का वजन और कद कम हो सकता है। यह निष्कर्ष अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के डाटाबेस पबमेड और मेडिकल सम्बंधी स्वतंत्र डाटाबेस स्कोपस पर प्रकाशित 45 लेख, शोध और अध्ययनों की समीक्षा से उभर कर सामने आया है। वायु प्रदूषण के सूक्ष्म कणों के सम्पर्क में आने से जन्म के समय शिशु का वजन सामान्य से कम हो सकता है। साथ ही उन्हें अस्थमा, ऑटिज्म भी हो सकता है। शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण पीएम 2.5 और नीदरलैंड में पैदा हुए करीब 4 हजार सिंगुलटन शिशुओं के जन्म के वजन के बीच सम्बंध को देखा।

ये प्रदूषक जिम्मेदार

1. पीएम 2.5, पीएएचएस, बेंजीन और कैडमियम जैसे औद्योगिक वायु प्रदूषकों से बच्चे समय पूर्व पैदा हो सकते हैं।
2. नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (वीओसी) शिशु के कम वजन के लिए जिम्मेदार हैं।
3. इन सभी प्रकार के प्रदूषकों से शिशु के सिर की परिधि भी प्रभावित हो सकती है।

ये हैं बचने के उपाय

1. वायु प्रदूषण के खतरनाक प्रभावों से बचने का सबसे अच्छा तरीका है अच्छी गुणवत्ता वाला मास्क पहनें
2. घर के अंदर की हवा को शुद्ध करने के लिए एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल कर सकते हैं
3. संभव हो तो गर्भावस्था के दौरान घर में ही रहें, ज्यादा जरूरी होने पर ही बाहर निकलें।
4. घर के अंदर हवा को शुद्ध करने वाले पौधे लगाएं।

खराब हवा के खतरे

गर्भवती महिलाओं को वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा हो सकता है। यदि इसका समय पर उपचार नहीं हो पाया तो जन्म लेने वाले बच्चे पर उसका असर पड़ेगा और वह अपने साथ यह बीमारी लेकर पैदा होगा। वायु प्रदूषण से गर्भपात का खतरा भी बढ़ सकता है। ऐसा गर्भनाल में सूजन बढ़ने की वजह से होता है, जिससे भ्रूण के विकास में दिक्कतें आना स्वाभाविक हैं। खराब हवा गर्भवती महिला के थायराइड को भी करती है। भ्रूण के विकास मेटाबोलिज्म को नियमित करने के लिए यह बहुत ज़रूरी होता है।

सेहत का ध्यान ज़रूरी

जिन महिलाओं का वज़न गर्भावस्था के दौरान कम होता है, वायु प्रदूषण से उनके प्रभावित होने की संभावना ज़्यादा ही होती है। गर्भावस्था के दौरान स्वच्छ हवादार जगह में रहना, सन्तुलित आहार लेना और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने से वायु प्रदूषण के जोखिम को कम किया जा सकता है।

गर्भस्थ शिशुओं में मिले वायु प्रदूषण के कण

वायु प्रदूषण का स्वरूप दुनियाभर में विकराल हो चुका है। गर्भावस्था के शुरूआती तीन माह में ही अजन्मे बच्चों के फेफड़ों, लिवर और दिमाग में वायु प्रदूषण के जहरीले कण पाए गए हैं। स्कॉटलैंड की एबरडीन यूनिवर्सिटी और बेल्जियम की हेसल्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि उनकी खोज चिंताजनक है, क्योंकि भ्रूण के विकास के लिए यह अवधि महत्वपूर्ण होती है। यह शोध

स्कॉटलैंड और बेल्जियम में धूम्रपान न करने वाली 60 मांओं और गर्भस्थ शिशुओं पर हुआ। वैज्ञानिकों ने 36 भ्रूणों के टिश्यूज के नमूनों का भी विश्लेषण किया, जिनका 7-20 सप्ताह के बीच गर्भपात हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार मां की सांसों के जरिए रक्त से प्रदूषण के महीन कण प्लेसेंटा से होते हुए भ्रूण तक पहुंचे। इस तरह टिश्यू के प्रति क्यूबिक मिलीमीटर में हजारों कार्बन कण पाए गए। ये गण वाहनों, कारखानों और घरों में जीवाश्म ईंधन जलने पर बनते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। प्रदूषित हवा को पहले से गर्भपात, समय से पूर्व जन्म, जन्म के समय कम वजन और दिमागी विकास में गड़बड़ी की वजह माना जाता है।

With Best Compliments

Meenakshi
GROUP

Meenakshi
Property Dealer

1, Reti Stand, Central Area, Udaipur (Raj.)
Phone : 0294-2486213, Fax : 0294-2583701
Website : www.meenakshiproperty.com E-mail : meenakshi.property@gmail.com

जल्द ही समुद्र को चीरता दिखेगा विक्रांत से डेढ़ गुना बड़ा युद्धपोत

आइएनएस विशाल को वर्ष 2030 तक नौसेना में शामिल किए जाने की योजना है। शुरू में इसके 2020 तक नौसेना में शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन कई कारणों से यह परियोजना शुरू नहीं हो सकी। हाल के वर्षों में भारत के आसपास के समुद्री इलाकों, खासतौर पर हिंद महासागर में चीन की पहुंच बढ़ी है। अब तक चीन के पास लिओनिंग और शेडांग नाम से दो विमावाही पोत थे और इस साल जून में उसने अपना तीसरा पोत नौसेना में शामिल किया है।

नंदकिशोर

आइएनएस विक्रांत के नौसेना को मिलने के बाद अब भारत के तीसरे विमानवाहक युद्धपोत आइएनएस विशाल को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। यह अपनी श्रेणी का तीसरा युद्धपोत होगा, जिसकी जरूरत को लेकर अरसे से चर्चा चल रही है। आइएनएस विशाल को भी विक्रांत की तरह ही स्वदेश में तैयार किए जाने की योजना बनाई गई है। नौसेना के कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में इसे निर्मित किए जाने की योजना है। उल्लेखनीय है कि आइएनएस विक्रांत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 सितम्बर को केरल के कोच्चि में राष्ट्र को समर्पित किया था।

आइएनएस विशाल के 65 हजार टन वजनी होने की संभावना है। यह भारत का सबसे बड़ा विमानवाहक युद्धपोत होगा। आइएनएस विक्रमादित्य और आइएनएस विक्रांत का वजन 45 हजार टन है। आइएनएस विशाल पर 55 लड़ाकू विमानों को तैनात किए जाने की योजना है। जबकि, विक्रांत पर करीब 35 और विक्रांत पर 30 लड़ाकू विमान तैनात किए जा सकते हैं।

अभी भारत के पास दो विमानवाहक युद्धपोत-आइएनएस विक्रमादित्य और आइएनएस विक्रांत हैं। दो सितम्बर को नौसेना में शामिल आइएनएस विक्रांत देश में बना पहला और सबसे बड़ा पोत है। विक्रांत से पहले भारत के पास आइएनएस विक्रमादित्य के रूप में एकमात्र विमानवाहक युद्धपोत था।

विक्रमादित्य को रूस से खरीदा गया था।

जहां तक आइएनएस विशाल परियोजना की बात है, मई 2012 में नौसेना के तत्कालीन प्रमुख एडमिरल निर्मल वर्मा ने कहा था कि देश में बनने वाले दूसरे विमानवाहक युद्धपोत के लिए अध्ययन किया जा रहा है। वर्ष 2012 में ही आइएनएस विशाल के डिजाइन का काम नौसेना की नेवल डिजाइन ब्यूरो ने शुरू किया। शुरू में नौसेना की योजना थी कि डिजाइन के लिए किसी देश की मदद नहीं ली जाए। बाद में इसके लिए रूसी मदद लेने का फैसला किया गया।

वर्ष 2013 में नौसेना ने आइएनएस विशाल पर इलेक्ट्रोमैग्नैटिक एअरक्राफ्ट लांच सिस्टम लगाने की योजना को लेकर अमेरिका से संपर्क किया था। 2015 में ओबामा के राष्ट्रपति रहने के दौरान अमेरिका ने कहा कि वह भारत को यह प्रणाली और अन्य तकनीक बेचने के पक्ष में है।

वर्ष 2015 में ही आइएनएस विशाल की डिजाइन के लिए नौसेना ने चार देशों-ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका और रूस की रक्षा कंपनियों से संपर्क साधा। नौसेना ने इन कंपनियों से युद्धपोत की तकनीकी और लागत से जुड़ी जानकारी मांगी थी।

अगस्त 2015 में भारत और अमेरिका ने आइएनएस विशाल की डिजाइनिंग और डेवलपमेंट के लिए एक संयुक्त कार्य समूह बनाया। अक्तूबर 2017 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आइएनएस विशाल के लिए ईमाल्स से जुड़ी तकनीक भारत को देने की मंजूरी दे दी। दिसंबर 2018 में नौसेना के तत्कालीन प्रमुख सुनील लांबा ने कहा कि आइएनएस विशाल की योजना पर काम आगे बढ़ गया है और जहाज का निर्माण अगले तीन साल में शुरू होने की संभावना है। अप्रैल 2021 में नौसेना ने फैसला किया वह अब आइएनएस विक्रमादित्य की जगह आइएनएस विशाल को लाएगी। नवंबर 2021 में नौसेना ने आइएनएस विशाल की डिजाइन में थोड़ा बदलाव लाने के लिए चर्चा शुरू की। इसमें आइएनएस विशाल को लड़ाकू विमानों के उतरने के स्वचालित और व्यक्ति आधारित-दोनों तरह के डिजाइन तैयार करने और वर्तमान आकार-वजन (65 हजार टन) को थोड़ा घटाने पर विचार किया गया। आकार घटाने से कैरियर का वजन, लागत और इसे बनने में लगने वाला समय घटेगा।

Mohit Mundra
Rohit Mundra
Pooja Mundra

With Best Compliments

+91 75683-48686
+91 88755-33014
+91 98274-01963

RIDDHI SIDDHI
SAREES
WALK WITH ELEGANCE

Exclusive Designer Sarees & Suits

Do Hati Wale Mandir Ke Piche, Teej Ka Chowk, Dhanmandi,
Udaipur (Raj.) e-mail: mohit.mundra12@gmail.com
GSTIN: 08BROPM8826Q1ZM

Follow us: *couture_by_riddhisiddhi_sarees* *Riddhi Siddhi Sarees*

देश में हर साल 1.35 करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत

खून अनमोल है और इसका दान करने से सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। 48 घंटे से भरपाई हो जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार रक्त के अलग-अलग भागों का अपना जीवन चक्र है। इसके बाद वे खत्म हो जाते हैं। शरीर में इनका सतत निर्माण होता है। देश में रक्त की उपलब्धता जरूरत के अनुसार कम है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के अनुसार देश में हर साल करीब 1.35 करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत होती है। इसके एवज में 1.10 करोड़ यूनिट रक्त ही ब्लड बैंकों में मिलता है। देश में हर साल औसतन 25 लाख यूनिट रक्त संकट हमेशा रहता है। ये स्थिति तब है जब देश की कुल आबादी 130 करोड़ से अधिक है।

रवीन्द्रपाल सिंह कप्पू

रक्त की विशेषता समझें

05 लीटर रक्त मानव शरीर के भीतर होता है

07 प्रतिशत शरीर का वजन रक्त से तैयार होता है

01 कप रक्त एक पैदा होने वाले बच्चे के शरीर में होता है

120 दिन तक लाल रक्त रक्त कणिकाएं जीवित रहती

रक्तदान से पहले ये जानें

10 से 15 मिनट का समय एक यूनिट रक्तदान में लगता है

18 से 65 वर्ष का व्यक्ति रक्तदान करने योग्य, 45 किलोग्राम वजन जरूरी

01 साल बाद ही गर्भवती को प्रसव के बाद रक्तदान की इजाजत

12.5 ग्राम से कम नहीं होना चाहिए हिमोग्लोबिन का स्तर

प्रमुख राज्यों में ब्लड बैंक

राज्य	ब्लड बैंक (2016)	ब्लड बैंक (2022)
दिल्ली	69	80
उत्तरप्रदेश	294	436
बिहार	76	106
झारखंड	39	66
हरियाणा	90	140
महाराष्ट्र	328	371
आंध्रप्रदेश	150	217
गुजरात	145	180
केरल	68	201

11,850 करोड़ यूनिट रक्तदान पूरी दुनिया में हर साल होता है

130 करोड़ की आबादी में से 67 फीसदी 18 से 65 की उम्र वाले हैं

दावा: हर दिन 12 हजार मौतें

रक्तदान के लिए अभियान चलाने वाली संस्था सिप्ली ब्लड की मानें तो देश में हर दिन 12 हजार लोगों की मौत रक्त के अभाव में हो जाती है। सिप्ली ब्लड का दावा है कि देश में सालाना 1.5 करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है।

इच्छाशक्ति: संपन्न देश आगे

डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनियाभर में सालाना 11850 करोड़ यूनिट रक्तदान होता है। इसमें से 40 फीसदी रक्त उच्च आय वाले देशों में दान होता है। इन 40 फीसदी देशों में दुनिया की 16 फीसदी आबादी रहती है।

चार तरह का रक्तदान

1 **संपूर्ण रक्तदान:** हादसे या ऑपरेशन के दौरान अधिक खून बहने के मामलों में रोगी की जान बचाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है।

2 **पॉवर रेड डोनेशन:** इसे जंबो तकनीक भी कहते हैं। एक व्यक्ति से कई यूनिट लाल रक्त कणिकाएं ली जा सकती है। बाकी रक्त वापस शरीर में चला जाता है।

3 **प्लेटलेट दान:** ये हिस्सा खून को जमाने का काम करता है। कैंसर और अन्य रोग से ग्रसित मरीजों के रक्त को जमाने के लिए इसे चढ़ाते हैं।

4 **प्लाजा दान:** रोगी की जान बचाने के लिए प्लाज्मा दान की प्रक्रिया अपनाते हैं। कोरोना काल में भी प्लाज्मा थैरेपी का प्रयोग किया गया था।

With Best Compliments

Your Trust Our Passion...

FIVE STAR BUILD ESTATE PVT. LTD.

A Real Estate & Construction

27, Ist Floor, Diamond Plaza, Opp. Choudhary Hospital,
Hiran Magri, Sec. 4, Udaipur (Raj.) 313002
Email: devvardar@gmail.com,
Mob.: 98295-62167, Ph.: 0294-2461186 (R)

PRAMAN

Construction Pvt. Ltd.

Hemraj Vardar

Office: 9, Five Star Complex, Near Kumbha Nagar,
Hiran Magri, Sector No. 4, Udaipur-313001 (Raj.)
Telefax: 0294- (O) 2461648, (R) 2461186,
Mobile: 98299-48186
Email: pcpl.udaipur@gmail.com

Sister Concern:

D.V. CONSULTING STRUCTURAL ENGINEERS

EXPERT IN STRUCTURE DESIGN WITH ETABS, SAFE, SAP, STAAD
Email: dvardar@gmail.com

ब्रिटेन के आर्थिक घटाटोप में सुनक उम्मीद की किरण

दुर्गाशंकर मेनारिया

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी ऋषि सुनक को मिलने पर भारत में खुशी की स्वाभाविक लहर है। सुनक की जड़ें विभाजित भारत से जुडी हैं। वे धर्मनिष्ठ हिंदू हैं। इस तरह औपनिवेशिक सत्ता के बरक्स एक भारतीय मूल के व्यक्ति का ब्रिटिश हुकूमत के शीर्ष पर पहुंचना समय परिवर्तन के रूप में भी देखा जा रहा है। अमेरिका में कमला हैरिस उपराष्ट्रपति पद पर पहुंची तब भी ऐसा ही गर्व अनुभव किया गया। सुनक से भारत की उम्मीदें सहज ही जुड़ी हुई हैं। मगर ब्रिटेन की सुनक से उम्मीदें दूसरी हैं। वहां के सांसदों ने उनमें ऐसे दक्ष प्रशासक के गुण देखे हैं, जो एकता और स्थायित्व की दिशा में कारगर साबित हो सकते हैं। लिज ट्रस पैंतालिस दिनों में ही वहां की चरमरा चुकी अर्थव्यवस्था को संभालने से हार मान बैठीं। इस वक्त ब्रिटेन अर्थव्यवस्था के मामले में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। महंगाई चरम पर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण से ऊर्जा मामलों में उसे अपनी जरूरतें पूरी करना भारी पड़ रहा है। बिजली के दाम आसमान छू रहे हैं।

यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के बाहर निकलने के बाद ऋषि सुनक कंजर्वेटिव पार्टी के चौथे नेता हैं, जिनको देश की कमान मिली है। ब्रेग्जिट ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को खासी चोट पहुंचाई है। रही-सही कसर अल्पावधि पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस की आर्थिक नीतियों ने पूरी कर दी, जिसके कारण उनको अपना पद तक छोड़ना पड़ा। ऐसे में सुनक की पहली प्राथमिकता ब्रिटेन की डूबती अर्थव्यवस्था को उबारने की ही होगी। अभी

> खाद्य और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना हमारी सरकार के घोषणा पत्र का मुख्य बिंदु है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे किसानों को हर वह समर्थन मिले, जिसकी उन्हें इस समय जरूरत है।
>
> – ऋषि सुनक

स्थिति यह है कि ब्रिटेन का आयात बिल बढ़ रहा है और निर्यात से उसे पहले की तरह फायदा नहीं मिल रहा। ब्रिटिश पाउंड भी तेजी से गिर गया है। मगर सुनक की चुनौती महज ब्रिटेन की आर्थिकी को संभालना नहीं है।

दरअसल, वह जिस कंजर्वेटिव पार्टी के नेता बने हैं, उसकी दरारें भी साफ दिख रही हैं। इसी मनमुटाव का नतीजा है कि पिछले तीन वर्ष में टेरेसा में, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और अब ऋषि सुनक टोरी पार्टी के मुखिया चुने गए हैं। चूंकि पार्टी के अंदर राजनीतिक रूप से एकता नहीं है, इसलिए देश की सियासत में भी उथल-पुथल कायम है। यही वजह है कि सुनक ने जब प्रधानमंत्री पद के लिए अपना भाषण दिया, तब उन्होंने एकता और स्थायित्व पर जोर दिया। राजनीतिक विश्लेषक तो अभी से इस बात के लिए गुणा-भाग करने लगे हैं कि आखिरकार वह किस तरह से पार्टी के असंतोष को खत्म कर टोरियों में एक राय कायम कर सकेंगे।

सुनक ब्रिटेन के 57वें और इस वर्ष के तीसरे प्रधानमंत्री हैं। पहले बोरिस जानसन, फिर लिज ट्रस और अब ऋषि सुनक का प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन में राजनीतिक हालात डांवाडोल हैं और सुनक के सामने अपनी कुर्सी को बचाने के साथ-साथ देश की जनता को भी संकट से उबारने की दोहरी जिम्मेदारी है।

12 मई 1980 को साउथैम्पटन में जन्मे सुनक 42 बरस के हैं और दो सौ साल में ब्रिटेन के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री हैं। वह अफ्रीका में जन्मे चिकित्सक पिता यशवीर और फार्मासिस्ट मां ऊषा की तीन संतानों में सबसे बड़े हैं। ऋषि के दादा रामदास सुनक अविभाजित भारत के गुजरांवाला में रहते थे, जो बंटवारे के बाद पाकिस्तान का हिस्सा बना। वह 1935 में नैरोबी

चले गए और वहां नौकरी करने लगे। ऋषि सुनक की दादी सुहाग रानी 1966 में अकेले ब्रिटेन गई और एक वर्ष बाद अपने परिवार को भी वहीं बुला लिया। वह संघर्ष का समय था, लेकिन धीरे-धीरे हालात बदले और आज यह परिवार ब्रिटेन के सबसे धनी 250 परिवारों में शुमार है। सुनक भारत की शीर्ष आईटी कंपनियों में शामिल इंफोसिस के मालिक नारायणमूर्ति के दामाद हैं। प्रारंभिक जीवन और शिक्षा की बात करें तो ऋषि ने विंकस्टर कॉलेज से स्कूली पढ़ाई की है, जहां वह हैड ब्वाय रहे। आक्सफर्ड के लिंकन कॉलेज से उन्होंने फिलास्फी, राजनीति शास्त्र और अर्थशास्त्र में पढ़ाई की। उसके बाद अमेरिका की प्रतिष्ठित स्टेनफर्ड यूनिवर्सिटी से 2006 में एमबीए किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने हेज फंड मैनेजमेंट, चिल्ड्रन इन्वेस्टमेंट फंड मैनेजमेंट और थेलीम पार्टनर्स के साथ काम किया।

वर्ष 2015 में उन्होंने बड़ी मजबूती के साथ राजनीति में कदम रखा और यार्क्स की रिकमंड सीट से सांसद चुने गए। कोविड प्रकोप के दौरान पूर्णबंदी के समय सुनक प्रधानमंत्री बोरिस जानसन की सरकार में वित्त विभाग के प्रभारी थे और उन्होंने रोजगार बचाने और उद्योग धंधों को आर्थिक मदद देकर ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को थामे रखने वाले कई लोक लुभावन फैसले करके ब्रिटेन की जनता के दिल में अपने लिए जगह बनाई।

पिछले कुछ सालों से भारत और भारतीय मूल के लोगों के प्रति ब्रिटेन के नागरिकों में कुछ नकारात्मक भावनाएं भरनी शुरू हो गई थीं, जिन्हें सुनक दूर करने में कारगर साबित होंगे। अभी लेस्टर में हुए सांप्रदायिक दंगों से वहां के उदारवादी लोकतांत्रिक ताने-बाने को चोट पहुंची है। सुनक ने स्पष्ट कर दिया है कि वे भारत के साथ व्यापारिक समझौतों को पूरी मजबूती के साथ लागू रखेंगे और कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। सुनक युवा हैं और पूरी ऊर्जा से भरे हुए हैं। इस तरह उनसे बेहतर प्रबंधन की उम्मीदें हैं। वित्त मंत्री रहते हुए उन्होंने अर्थव्यवस्था के लिए जिन बदलावों की सलाह दी थी, उन्हें नहीं माना गया और वही हुआ, जिसकी आशंका उन्होंने जताई थी। अब उनके पास अपने उन सुझावों पर अमल का मौका है।

कई देशों में उच्च पदों पर भारतवंशी

संयुक्त राज्य अमेरिका से लेकर पुर्तगाल तक के कई देशों में भारतीय मूल के व्यक्ति महत्वपूर्ण पदों पर हैं। इस सूची में ऋषि सुनक भी शामिल हो गए हैं। फिलहाल इन सात देशों में भारतीय मूल के नेता शीर्ष पदों पर हैं।

पुर्तगालः पीएम एंटोनियो कोस्टा

एंटोनियो कोस्टा पुर्तगाल के पीएम हैं। कोस्टा पुर्तगाल के साथ ही गोवा से उनका नाता है। उनके कई रिश्तेदार गोवा के पास रहते हैं।

सिंगापुर : राष्ट्रपति हलीमा याकूब

राष्ट्रपति हलीमा याकूब के पूर्वजों का इतिहास भी भारत से जुड़ा हुआ है। उनके पिता भारतीय थे, जबकि मां मलयाली मूल की थीं।

गुयानाः राष्ट्रपति इरफान अली

राष्ट्रपति इरफान अली का रिश्ता भी भारत से रहा है। उनका जन्म 1980 में वहां रहने वाले एक भारतीय परिवार में हुआ था।

सूरीनामः राष्ट्रपति संतोखी

सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी के तार भी भारत से जुड़े हुए हैं। वे वहां प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी से जुड़े हुए हैं।

अमेरिकाः उपराष्ट्रपति कमला हैरिस

कमला हैरिस वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैं। अमेरिका के इतिहास में पहली बार डेमोक्रेटिक पार्टी की कोई महिला नेता उपराष्ट्रपति बनी हैं। कमला हैरिस का भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु से रिश्ता है।

मॉरीशसः पीएम प्रविंद जगन्नाथ

प्रविंद कुमार जगन्नाथ मॉरीशस के प्रधानमंत्री हैं। उनका जन्म ला कैवर्ने में एक भारतीय परिवार में हुआ था। उनका रिश्ता बिहार राज्य से है। मॉरीशस के मौजूदा राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपन भी भारतीय मूल के ही राजनेता हैं।

सेशेल : राष्ट्रपति वावेल रामकलावन

हिंद महासागर में स्थित 115 द्वीपों वाले देश सेशेल के राष्ट्रपति वावेल रामकलावन भी मूल रूप से भारतीय हैं। उनका रिश्ता बिहार के गोपालगंज से है।

प्रत्यूष

समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका

प्रत्यूष (बहुरंगी हिन्दी मासिक)

के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।

पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

वैराग्य और त्याग ही मुक्ति का मार्ग

स्वामी विवेकानंद

मैं शुद्ध-बुद्ध-मुक्त आत्मा हूँ, इस तत्व की उपलब्धि के अतिरिक्त ईसा के जीवन में अन्य कोई कार्य न था। वे वास्तव में विदेह आत्मास्वरूप थे। उन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से जान लिया था कि सभी नर-नारी भी उनके समान ही आत्मास्वरूप हैं, चाहे वे कोई भी, कैसे भी हों।

ईसा स्वयं त्यागी और वैराग्यवान थे, इसलिए उनकी शिक्षा भी यही है कि वैराग्य और त्याग ही मुक्ति का एकमेव मार्ग है, इसके अतिरिक्त मुक्ति का और कोई पथ नहीं है। यदि हम में इस मार्ग पर अग्रसर होने की क्षमता नहीं है, तो हमें विनीत भाव से अपनी यह दुर्बलता स्वीकार कर लेनी चाहिए कि हम में अब भी 'मैं' और 'मेरे' के प्रति ममत्व है, हम में धन और ऐश्वर्य के प्रति आसक्ति है।

उन्हें (ईसा) पारिवारिक बंधन नहीं जकड़ सके, क्या आप सोचते हैं कि ईसा के मन में कोई सांसारिक भाव था? क्या आप सोचते हैं. कि यह ज्ञानज्योति स्वरूप अमानवी मानव, यह प्रत्यक्ष ईश्वरपृथ्वी परपशुओं का समधर्मी बनने के लिए अवतीर्ण हुआ? उन्हें देहज्ञान नहीं था, उनमें स्त्री-पुरुष भेदबुद्धि नहीं थी वे अपने को लिंगउपाधि रहित आत्मास्वरूप जानते थे। वे जानते थे, वे शुद्ध आत्मस्वरूप हैं- देह में अवस्थित हो मानवजाति के कल्याण के लिए देह का परिचालन मात्र कर रहे हैं। देह के साथ उनका केवल इतना ही सम्पर्क था। आत्मा लिंगविहीन है। विदेह आत्मा का देह एवं पशुभाव से कोई सम्बंध नहीं होता। अवश्य ही त्याग और वैराग्य का यह आदर्श साधारणजनों की पहुंच के बाहर है। कोई हर्ज नहीं, हमें अपना आदर्श विस्मृत नहीं कर देना चाहिए- उसकी प्राप्ति के लिए सतत यत्नशील रहना चाहिए। हमें यह स्वीकार, कर लेना चाहिए कि त्याग हमारे जीवन का. आदर्श है, किन्तु अभी तक हम उस तक पहुंचने में असमर्थ हैं।

मैं शुद्ध-बुद्ध-मुक्त आत्मा हू, इस तत्त्व की उपलब्धि के अतिरिक्त ईसा के जीवन में अन्य कोई कार्य न था। वे वास्तव में विदेह, शुद्ध-बुद्ध-मुक्त आत्मास्वरूप थे। यही नहीं, उन्होंने अपनी अद्‌भुत दिव्य दृष्टि से जान लिया था कि सभी नर-नारी, चाहे वे दरिद्र हों.. या धनवान, साधु हों या पापात्मा, उनके ही समान अविनाशी आत्मास्वरूप हैं। इसलिए उनके जीवन में हम एकमात्र यही कार्य देखते हैं कि वे सारी मानवजाति को अपने शुद्ध बुद्ध-चैतन्य स्वरूप की उपलब्धि करने के लिए आह्वान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह कुसंस्कारमय मिथ्या भावना छोड़ दो कि हम दीन-हीन हैं। यह न सोचो कि तुम पर गुलामों के समान अत्याचार किया जा रहा है, तुम पैरों तले रौंदे जा रहे हो, क्योंकि तुममें एक ऐसा तत्व विद्यमान है, जिसे पददलित एवं पीड़ित नहीं किया जा सकता, जिसका विनाश नहीं हो सकता।' तुम सब ईश्वर के पुत्र हो, अमर और अनादि हो। अपनी महान वाणी से ईसा ने जगत में घोषणा की, 'दुनिया के लोगों, इस बात को भलीभांति जान लो कि स्वर्ग का राज्य तुम्हारे अभ्यन्तर में अवस्थित है।' - 'मैं और मेरे पिता अभिन्न हैं।' साहस कर खड़े हो जाओ और घोषणा करो कि मैं केवल ईश्वर तनय ही नहीं हूं, पर अपने हृदय में मुझे यह भी प्रतीति हो रही है कि मैं और मेरे पिता एक और अभिन्न हैं।

नाजरथवासी ईसा मसीह ने यही कहा। उन्होंने इस संसार और इस देह के सम्बन्ध में कभी कुछ न कहा। जगत के साथ उनका कुछ भी सम्बन्ध न था- उसके साथ सम्पर्क केवल इतना ही था कि वे उसे प्रगतिपथ पर कुछ आगे की ओर बढ़ा देंगे और धीरे-धीरे तब तक अग्रसर करते रहेंगे, जब तक कि समग्र जगत उस परम ज्योतिर्मय परमेश्वर के निकट नहीं पहुंच जाता, जब तक कि प्रत्येक मानव अपने प्रकृत स्वरूप की उपलब्धि नहीं कर लेता, जब तक कि दुख, कष्ट एवं मृत्यु जगत से सम्पूर्ण रूप से निर्वासित नहीं हो जाते।

(स्वामी विवेकानंद द्वारा ईसा मसीह पर सन् 1900 में लॉस एंजिलिस में दिए गए व्याख्यान के सम्पादित अंश)

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

HARI PRIYA FILLING STATION

Bharat Petroleum

Dealer :
Bharat Petroleum
Corporation
Ltd.

Pure for Sure

N.H. 76 Dabok, Udaipur - 313002

Ph: 0294-2655320(P), 2484009(R)

E-mail :agr_vikas14@hotmail.com, haripriyafillingstation@gmail.com

Silver Art Palace

OLD SILVER & GOLDEN JEWELLER

OUR PRODUCTS :
Gold Jewellery with Precious Stones,
Precious & semi precious Stone Jewellery
Silver Jewellery with Stones,
Plain Gold Jewellery,
Victorian Jewellery
Kundan, Meena & Silver Jewellery,
Silver Articles,Silver Furniture,
Indian Handicrafts

Opp. Sahelion Ki Bari,8, New Fatehpura, Mewar Art Wali Gali, Udaipur (Raj.) INDIA
Telefax : +91 294 2414334, 2420914 (S) Email : silverartpalace@rediffmail.com
web : www.silverartpalace.com

ठंड से बचाए यौगिक क्रियाएं

ठंड से बचने के अनेक उपाय हैं, जिनमें से कुछ प्राकृतिक और सेहत से भरपूर भी हैं। इनमें प्रमुखता से शामिल हैं योगासन, जिनके अभ्यास से शरीर की गर्माहट को सुरक्षित रखा जा सकता है।

योगाचार्य कौशल कुमार

ठंड के मौसम ने दस्तक दे दी है। इस समय प्रदूषण भी काफी बढ़ रहा है। इस वजह से रोगों के होने की आशंका बहुत अधिक बढ़ जाती है। आमतौर पर इस मौसम में सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी आदि रोगों की आशंका अधिक होती है। यदि अभी से कुछ यौगिक अभ्यास नियमित रूप से किए जाएं तो ये बीमारियां शरीर को छू भी नहीं सकतीं।

आसन: इस मौसम में शरीर का शोधन ज्यादा आवश्यक होता है। इसलिए ऐसे यौगिक व्यायाम, जो शरीर के विषाक्त तत्वों को बाहर निकालकर शरीर को स्वस्थ रखते हैं, का अभ्यास करना चाहिए। इनमें सूक्ष्म व्यायाम, सूर्य नमस्कार तथा कुछ प्रमुख आसन जैसे जानु शिरासन, पश्चिमोत्तानासन, उष्ट्रासन, सुप्त वज्रासन, मेरुवक्रासन आदि प्रमुख हैं, जिनका प्रतिदिन अभ्यास करना चाहिए।

जानु शिरासन की अभ्यास विधि: दोनों पैरों को सामने की ओर फैलाकर बैठ जाएं। कुछ लम्बी तथा गहरी श्वास-प्रश्वास लें। इसके पश्चात मन को स्थिर रखते हुए अपने बाएं पैर को घुटने से मोड़कर इसके तलवे को दाएं पैर की जांघ से अच्छी तरह सटा लें। दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाकर धीरे-धीरे हाथ तथा धड़ को आगे की ओर इस प्रकार झुकाएं कि हथेलियां दाएं पैर के पंजे को स्पर्श करें तथा माथा दाएं पैर के घुटने पर स्थित हो। किसी प्रकार की जबरदस्ती न करें। इस स्थिति में आरामदायक अवधि तक रुककर वापस पूर्व स्थिति में आएं। इसके बाद यही क्रिया दूसरे पैर से तथा दोनों पैरों से एक साथ भी करें।

सीमा: स्लिप डिस्क, सायटिका, स्पॉन्डिलाइटिस तथा तीव्र कमर दर्द की शिकायत वाले लोग इसका अभ्यास न कर अर्धशलभासन, मकरासन का अभ्यास करें।

उपासन: इस आसन के अभ्यास के पश्चात पीछे झुकने वाला कोई आसन जैसे उष्ट्रासन, धनुरासन या सुप्त वज्रासन आदि में से किसी एक का अभ्यास

षटकर्म: शरीर के अंदर स्थित विषाक्त पदार्थों को निकालने हेतु योग में छह शोधन क्रियाएं हैं, जिन्हें षटकर्म कहते हैं। इनमें कुछ सरल क्रियाएं हैं, जैसे जलनेति, कुंजल, कपालभाति आदि। इनका अभ्यास अवश्य करें, किन्तु अभ्यास किसी योग्य योग शिक्षक के मार्गदर्शन में करें। इनसे सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार आदि की आशंका समाप्त हो जाती है।

प्राणायाम: कपालभाति, भस्त्रिका तथा अग्निसार के साथ नाड़ी शोधन प्राणायाम शरीर के विषाक्त तत्वों के निष्कासन के साथ प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाते हैं। प्रतिदिन नियमित रूप से इनका अभ्यास करना चाहिए। किन्तु सर्दी, जुकाम, बुखार आदि की स्थिति में इनका अभ्यास नहीं करें।

भस्त्रिका की अभ्यास विधि: ध्यान के किसी आसन जैसे पद्मासन, सिद्धासन, सुखासन या कुर्सी पर गला व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। किन्तु पद्मासन या सिद्धासन सर्वश्रेष्ठ हैं। चेहरे को ढीला व हल्का रखकर शरीर के सभी अंगों को भी सजह रखें। अब दो तीन लम्बी तथा गहरी श्वास-प्रश्वास लें। उसके बाद मन को श्वास-प्रश्वास पर एकाग्र रखते हुए नासिका द्वारा झटके से लम्बी श्वास अंदर लें तथा झटके से ही लम्बी श्वास बाहर निकालें। भस्त्रिका प्राणायाम की यह एक आवृत्ति है। इसकी 15 से 20 आवृत्तियों का अभ्यास एक साथ करें। यह एक चक्र है। एक चक्र के बाद एक लम्बी तथा गहरी श्वास-प्रश्वास लेकर थोड़ी देर में विश्राम करें। एक दो मिनट बाद पुन: इसके एक चक्र का अभ्यास करें। प्रारम्भ दो से तीन चक्रों के अभ्यास से करें। कुछ दिनों के अंतराल पर चक्रों की संख्या बढ़ाते जाएं। अंतत: इसे पांच से 10 मिनट की अवधि में रखें।

सीमा: उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, स्पॉन्डिलाइटिस, हर्निया तथा हाइपर थाइरॉएड एवं हाइपर एसिडिटी से त्रस्त लोग इसका अभ्यास न करें। ऐसे लोग सरल नाड़ी शोधन का अभ्यास करें।

शिथिलीकरण: आज के इस भौतिक युग में भागदौड़, तनाव तथा अफरातफरी जीवन का हिस्सा बन गये हैं। इस कारण शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो रही है। योग की शिथिलीकरण क्रिया, योग निद्रा, ध्यान आदि इसके निदान में रामबाण सिद्ध होती हैं।

आहार: बदलते मौसम में यदि हम अपने आहार को संतुलित कर लें तो रोग होने की आशंका 80 प्रतिशत तक कम हो जाएगी।

With Best Compliments

Prateek Khicha
Director

KPL

KHICHA PHOSCHEM LTD.

(Manufaeturer & Supplier of Minerals & Organic Fertilizer)

204, Vinayak Business Centre, Fatehpura, Pulla Road, Udaipur - 313001 (Raj.)
Phone : 0294-2452151 (O) 9829062804, 7737572626
E-mail : khichaphoschem@rediffmail.com, Website : www.khichaphoschem.com

www.innovatinghospitality.com

INNOVATING HOSPITALITY

UDAIPURI™
A VEGETARIAN KITCHEN

+91 900 179 7730, + 91 900 109 7754
1, Shastri Circle, Udaipur, info@iudaipuri.com

WEDDING
FOOD - CATERING
INDUSTRIAL CATERING
COOKING CLASSES
MENU DESIGNING
MANAGEMENT
CONTRACTS

AKSHATEJ | UDAIPURI | | लापी चौरहा
GGHOLIDAY HOMES | CORPORATE Canteens | YouTube CHEF VIMAL DHAR | Chef Sangeeta's

www.innovatinghospitality.com

गीता बताती है, आत्मोन्नति का मार्ग

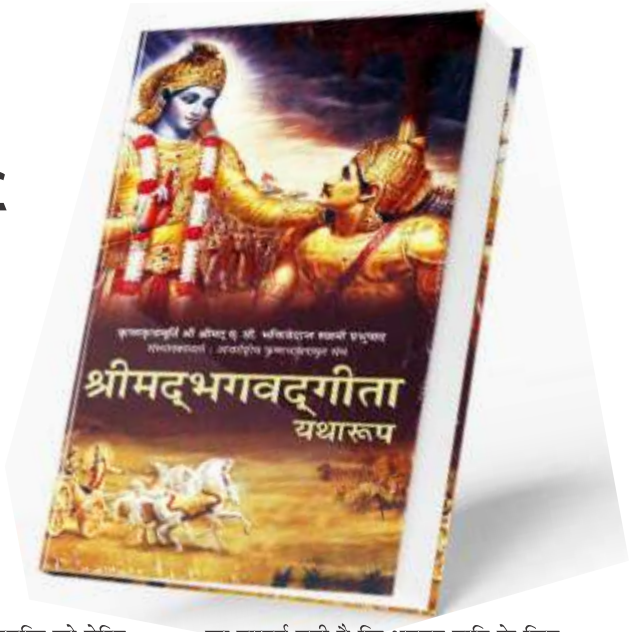

पीयूष शर्मा

श्रीमदभागवत् गीता भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का प्राण ग्रंथ है। इस ग्रंथ को जितनी बार पढ़ते हैं, उतनी, बार कुछ नया बोध होता है। गीता में मनुष्य को अपनी समस्त समस्याओं का समाधान मिल जाता है। महाभारत का नवनीत वेदव्यास जी ने गीता में समाहित कर लिया है। यही वजह है कि गीता पर बहुत सारे महापुरुषों ने अपनी लेखनी चलाई है। गीता जयंती (3 दिसम्बर) पर प्रस्तुत है विशेष आलेख-

भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध के दौरान मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष एकादशी को अर्जुन को जो उपदेश दिया था, वह आज हमारे लिए धर्म ग्रंथ है। और इस ग्रंथ में उन सभी महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख है, जो मनुष्य के चारों पुरूषार्थो-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को दिशा निर्देशित करता है। इसके अलावा, इसमें भक्ति और कर्म की महत्ता का भी समन्वय है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि गीता में ईश्वर, जीव और प्रकृति के स्वरूप की व्याख्या जिस रूप में की गई है, उसे साधारण ज्ञान वाले व्यक्ति भी आसानी से समझ सकते हैं। यही वजह है कि कुछ विद्वान इसे कर्म-प्रधान धर्म ग्रंथ कहते हैं, तो कुछ इसे ज्ञान प्रधान या भक्ति मार्ग का अद्भुत धर्म ग्रंथ बताते हैं। वास्तव में, इसमें तीनों मार्गों को समाहित किया गया है। 'जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी' वाली बात इस महान धर्म ग्रंथ के हर श्लोक में दिखाई पड़ती है। गीता के कर्म मार्ग का उपदेश समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करता है। श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि हे! अर्जुन, यह जीवन हमारे किए गए कर्मों पर ही आधारित है, इसलिए कर्म करना प्रत्येक मानव का धर्म है। हमें सारी चिंताओं को त्यागकर अपने कर्तव्य-पालन में लग जाना चाहिए। दरअसल, कर्म मार्ग से ही वह ऊर्जा मिल सकती है, जो मनुष्य की सारी समस्याओं और कामनाओं को हल कर सकती है। श्रीकृष्ण कहते हैं बिना कर्म किए कोई भी व्यक्ति मुक्ति, यानी आवागमन से छुटकारा नहीं प्राप्त कर सकता है। गीता में कहा गया है- 'कर्मणामनारम्भान्नैष्कर्म्यपुरूषोश्नुते। चसंन्यसनादेवसिद्धि समधिगच्छति।'अर्थात मनुष्य कभी भी कर्म से छुटकारा नहीं पा सकता है और न कर्म को त्यागकर उसे पूर्णता, यानी सिद्धि की प्राप्ति हो सकती है। श्रीकृष्ण ने गीता में कर्म को केवल मनुष्य का धर्म नहीं माना है, बल्कि इसे योग भी कहा है। कहने का तात्पर्य यही है कि भगवत प्राप्ति के लिए कर्म एक साधना के समान है। जो लोग इसे साधना मानकर अपनाते हैं, वे न कभी भ्रमित होते हैं और न ही निराश होते हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि कर्म करने के बाद हमें फल पाने की इच्छा से किस तरह से छुटकारा पाया जाए? इसका समाधान भी गीता में उपलब्ध है। फल की इच्छा कर्म के बाद जगना एक स्वाभाविक-सी प्रक्रिया है, लेकिन एक सच यह भी है कि यह इच्छा ही इंसान को बंधन में डालती है और किसी भी चीज के प्रति आसक्ति पैदा करती है। इसलिए श्रीकृष्ण कहते हैं-यदि आवागमन से छुटकारा चाहते हो, तो आसक्तिका त्याग कर दो। आगे वे कहते हैं कि चूंकि यह मानव शरीर बड़े भाग्य से मिला है, इसलिए इसे यज्ञ-मार्ग पर लगाना चाहिए, क्योंकि इससे न केवल आसक्ति मिटेगी, बल्कि समाज का कल्याण और आत्मा की उन्नति भी होगी।

अध्यात्म का सनातन संदेश

प्रत्यक्ष अनुभव से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि श्रीमद्भागवतगीता वर्तमान युग में भी उतनी ही नवीनता से पूर्ण एवं स्फूर्ति देने वाली है, जितनी महाभारत काल में थी। गीता के संदेश का प्रभाव केवल दार्शनिक अथवा विद्वत् चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि आचार विचारों के क्षेत्र में भी वह सदैव जीता-जागता प्रतीत होता है। गीता का उपदेश एक राष्ट्र तथा संस्कृति का पुनरुज्जीवन करता रहा है। संसार के अत्यंत उच्च शास्त्रविषयक ग्रंथों में गीता का बिना किसी विरोध समावेश हुआ है। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा रचित गीता रहस्य का विषय, जो गीता-ग्रंथ है, वह भारतीय आध्यात्मिकता का परिपक्व सुमधुर फल है। मानवी श्रम, जीवन और कर्म की महिमा. का उपदेश अपनी अधिकार वाणी से देकर गीता सच्चे अध्यात्म का सनातन संदेश दे रही है, जो आधुनिक काल के ध्येयवाद के लिए आवश्यक है। – **अरविंद घोष**

गीता भक्त हमेशा आनंदित

गीता शास्त्रों का दोहन है। मैंने पढ़ा है कि सारे उपनिषदों का निचोड़ उसके सात सौ श्लोकों में आ जाता है, इसलिए मैंने निश्चय किया कि कुछ न हो सके तो गीता का ज्ञान तो प्राप्त कर ही लें। मुझे जन्म देने वाली माता तो चली गई.. पर संकट के समय गीता-माता के पास जाना मैं सीख गया हूं। मैंने देखा है, जो कोई इस माता की शरण जाता है, उसे वह ज्ञानामृत से तृप्त करती है। गीता तो महागूढ़ ग्रंथ है। गीता आपको कठिन मालूम हो तो आप पहले तीन अध्याय ही पढ़ लें। गीता का सार इनमें आ जाता है। यह भी किसी को कठिन मालूम हो तो इन तीन अध्यायों में से कुछ श्लोक छांटे जा सकते हैं, जिनमें गीता का निचोड़ आ जाता है। तीन जगहों पर तो गीता में यह भी आता है कि सब धर्मों को छोड़ कर तू केवल मेरी शरण ले । इससे अधिक सरल और सादा उपदेश और क्या हो सकता है? जो मनुष्य गीता में से अपने लिए आश्वासन प्राप्त करना चाहे तो उसे उसमें से वह पूरा-पूरा मिल जाता है। गीता भक्त कभी निराश नहीं होता, हमेशा आनंद में रहता है। –**महात्मा गांधी**

BDGH since 1980

43 Years of Quality care Gattani Hospital

बिलासी देवी गट्टानी हॉस्पीटल

शास्त्री सर्कल, उदयपुर (राज.) मो. 9269333699, 9667217458, 9214460061

Web site - www.pileshospitaludaipur.com, E-mail: gattanihospital@gmail.com

पाइल्स (क्रायो द्वारा) फिशर, फिस्टूला चिकित्सा का एक मात्र विश्वसनीय केन्द्र

पाइल्स

(मोडिफाइड क्रायो द्वारा)

एक दिन में छुट्टी
22,000 सफल ऑपरेशन

आज ही जानें आपकी कब्ज़ की गंभीरता को -
GKC SCORE
तुरंत लॉगऑन करें -
www.pileshospitaludaipur.com

Scan to download our App

बच्चेदानी ऑपरेशन

(बिना टाँके/दूरबीन द्वारा)

रियायती दरों पर
सामान्य प्रसव एवं सिजेरियन

डॉ. मुकेश देवपुरा
एम.बी.बी.एस., डी.सी.एच
मो. 94141-69339

नि:संतानता एवं स्त्री रोग चिकित्सा

शिशु चिकित्सा एवं टीकाकरण केन्द्र

Cashless Facility Available For Insured Patients

डॉ. कल्पना देवपुरा
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
मो. 94141-62750

सभी प्रकार के दूरबीन ऑपरेशन (हर्निया, पथरी)

भंवरलाल खटीक
एम.डी.
94141-67281

हेमेन्द्र खटीक
डायरेक्टर
9887111453

धर्मेश खटीक
डायरेक्टर
9829511888

0294-2522108 (ऑफिस)
0294-2416281 (निवास)

प्रगति रियल मार्ट प्राइवेट लिमिटेड

भंवर सेवा संस्थान

स्व. सुशीला देवी खटीक चेरिटेबल ट्रस्ट

7, गुलाबेश्वर मार्ग, गली नम्बर 5, हाथीपोल, उदयपुर (राज.)

भारत जोड़ो यात्रा का राजस्थान में प्रवेश

मिले कदम, जुड़े वतन!

सुदूर दक्षिणी छोर कन्याकुमारी से 7 सितम्बर को शुरू हुई कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' तीन माह तक दक्षिणी राज्यों से जन समर्थन हासिल करती हुई दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में राजस्थान में प्रवेश कर रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में इस यात्रा के दौरान महंगाई, बेरोजगारी, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण जैसे मुद्दों पर भाजपा की मोदी सरकार को तो घेरा ही जा रहा है, संगठन में प्राण फूंकने की भी बेहतर कोशिश है।

पंकज कुमार शर्मा

लोकसभा चुनाव में अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। पर, राजनीतिक दलों ने अभी से सियासी गोटियां बिछानी शुरू कर दी हैं। कई क्षेत्रीय दल जहां विपक्ष को एकजुट करने की मुहिम में जुटे हैं। वहीं कांग्रेस पूरे देश में 'भारत जोड़ो' यात्रा के माध्यम से पिछले तीन माह से भाजपा नीत केन्द्र सरकार के खिलाफ जन समर्थन तैयार कर विपक्ष की अगुआई को लेकर अपनी दावेदारी पेश कर रही है। उदयपुर में मई में सम्पन्न कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में हुए मंथन से एक मूलमंत्र यह निकला कि जमीन से टूटे कनेक्ट को फिर से जोड़ना और आम लोगों से जुड़े मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरना। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इसे काफी गंभीरता से लिया और पार्टी नेताओं व सहयोगियों से परामर्श के बाद 'भारत जोड़ो यात्रा' का निश्चय किया। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली इस यात्रा की घोषणा 9 अगस्त को दिल्ली में की गई। सन् 1942 की यह वही तारीख थी, जब महात्मा गांधी ने 'भारत छोड़ो आन्दोलन' की शुरूआत की थी और इसके पांच साल बाद ही भारत को ब्रिटिश राज से मुक्ति मिली थी और 15 अगस्त 1947 को भारत के मुक्त गगन में तिरंगा लहराया था। 7 सितम्बर को कन्याकुमारी से शुरू हुई 150 दिन की भारत जोड़ो यात्रा 3500 किलोमीटर का सफर तय कर जम्मू-कश्मीर में समाप्त होगी। यह पद यात्रा 12 राज्यों और 2 केन्द्र शासित प्रदेशों से गुजर रही है। इसने दक्षिणी राज्यों की यात्रा पूरी कर ली है।

राजस्थान में प्रवेश

यात्रा मध्यप्रदेश के कई जिलों से होती हुई उज्जैन से 3 दिसम्बर को राजस्थान में भाजपा की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के सियासी गढ झालावाड़ को भेदती हुई कोटा, बांरा, बूंदी, टोंक, सवाईमाधोपुर, दौसा और अलवर जिलों में लोगों से मेल-मिलाप करते हुए हरियाणा होकर बुलंद शहर से उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करेगी। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अगुआई में यात्रा के भव्य स्वागत के साथ ही यात्रियों के आवास, विश्राम सहित अन्य सुविधाओं की आवश्यक एवं समुचित तैयारियों के साथ कमेटियां गठित कर अंतिम रूप दिया गया है। करीब तीन से चार सप्ताह तक यात्रा राजस्थान के विभिन्न जिलों में करीब 350 कि.मी की दूरी तय करेगी। यात्रा रोज़ाना 20-25 कि.मी का सफ़र पूरा करेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राजस्थान में 2023 के दिसम्बर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

दरअसल पार्टी इस सियासी ट्रेंड पर दांव खेल रही है कि जब भी राजनीतिक दल लोगों तक पहुंचने की कोशिश करते हैं, उनके जनसमर्थन में बढ़ोतरी होती है। देश की कुछ अहम यात्राओं में ये कोशिशें न सिर्फ रंग लाती दिखीं, बल्कि इनकी अगुआई करने वाले नेता का सियासी कद भी बढ़ा।

"भारत जोड़ो यात्रा गौरवशाली विरासत वाली महान कांग्रेस पार्टी के लिए ऐतिहासिक अवसर है। मुझे उम्मीद है कि यह हमारे संगठन के लिए संजीवनी का काम करेगा।
— **सोनिया गांधी**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस

"देश में जाति और धर्म के नाम पर नफरत फैलाई गई है और इस स्थिति को नहीं संभाला गया तो देश गृहयुद्ध की तरफ जा सकता है।
— **अशोक गहलोत**, मुख्यमंत्री, राजस्थान

"जिन्होंने अंग्रेजों का समर्थन किया, वे अब देश में ज़हर फैला रहे हैं।
—**भूपेश बघेल**, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

"''भारत जोड़ो यात्रा'' देश का दूसरा स्वतंत्रता संग्राम है और विभाजनकारी ताकतों को परास्त करने तक यह जारी रहेगा।
— **पी. चिदम्बरम्**, पूर्व केन्द्रीय मंत्री

"हम यात्रा के माध्यम से लोकतंत्र की शहनाई बजा रहे हैं, पर भाजपा को सिर्फ एक ही तरह की तोप चलाने आती है।
—**जयराम रमेश**, कांग्रेस, महासचिव

यात्रा से जुड़ी उम्मीदें और आकांक्षाएं

जाहिर सी बात है, कांग्रेस भी इस यात्रा से ऐसी ही उम्मीदें लगाए हुए है। कांग्रेस को लग रहा है कि जमीन पर उसकी कमजोर पकड़ में कुछ मजबूती आएगी। लोगों से उसका टूटा हुआ कनेक्शन जुड़ेगा। इसका सियासी फायदा राहुल गांधी को भी होगा। कांग्रेस इसके जरिए संदेश देना चाह रही है कि देश में सुदूर तमिलनाडु से लेकर जम्मू कश्मीर तक अगर कोई पार्टी भाजपा का विरोध कर सकती है तो वह कांग्रेस ही है। मोदी सरकार की नीतियों को लेकर पिछले छह-सात सालों से राहुल गांधी लगातार हमलावर रहे हैं। अगले साल के शुरू में कर्नाटक और आखिर में राजस्थान छत्तीसगढ़ तथा मध्यप्रदेश में चुनाव होने हैं। इन सभी राज्यों में कांग्रेस अपने लिए खासी संभावनाएं देख रही है। जिस तरह से कांग्रेस ने केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में अपनी यात्रा का शेड्यूल रखा है, वह दक्षिण व मध्य भारत से उसकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को सामने लाता है। इस यात्रा के दौरान कांग्रेस ने सिविल सोसाइटी से लेकर देश के अलग-अलग तबकों तक पहुंचने की योजना बनाई है। उनसे राहुल गांधी सहित पार्टी के बड़े नेता संवाद के माध्यम से फीडबैक लें रहे हैं। इससे पार्टी को जमीन पर लोगों का मूड भांपने, उनकी इच्छाओं व अपेक्षाओं को जानने में मदद मिलेगी, जिसके आधार पर वह अपनी आगामी रणनीति तैयार कर पाएगी। दक्षिण से उत्तर तक की इस यात्रा का फीडबैक पॉजिटिव निकलता है तो पार्टी आने वाले समय में पूर्व से पश्चिम तक की यात्रा पर भी विचार कर सकती हैं।

अहम सियासी यात्राएं

देश में अब तक कई सियासी यात्राएं हुई हैं। उनमें से कुछ ने राष्ट्रीय या राज्य सियासत पर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। पेश है उनमें से कुछ प्रमुख यात्राओं का विवरण-

- 1977 में अपनी हार के बाद पूर्व प्र.म. इंदिरा गांधी ने बेलछी यात्रा की। इस यात्रा के बाद लोग आधी रोटी खाकर उन्हें सत्ता में वापस लाने की बात करने लगे।
- 1983 में पूर्व प्र.म. चंद्रशेखर ने कन्याकुमारी से दिल्ली तक की 4000 किमी की पदयात्रा की। 1990 में वह प्रधानमंत्री बने।
- 1990 में पूर्व प्र.म. राजीव गांधी ने भारत रेल यात्रा की। उन्होंने ट्रेन के दूसरे दर्जे में बैठकर देशभर का दौरा किया, जिसके बाद उनका सियासी कद काफी बढ़ गया।
- 1990 में भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने रथ यात्रा निकाली। इसका फायदा न सिर्फ आडवाणी को हुआ, बल्कि भाजपा के सत्ता तक पहुंचने का रास्ता साफ हुआ।
- 2003 में आंध्र प्रदेश कांग्रेस के नेता वाईएस राजशेखर रेड्डी ने प्रदेश की 1500 किमी की दो महिने की पदयात्रा की, जिसका यह फायदा हुआ कि 2004 में वे प्रदेश के अगले सीएम बने।
- 2013 में आंध्र प्रदेश में टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू ने 1700 किमी की पदयात्रा निकाली। वह 2014 में राज्य के सीएम बने।
- 2017 में जगन मोहन रेड्डी ने 3600 किमी पैदल यात्रा की। 2019 में वह आंध्र प्रदेश के सीएम बने।

नेपकॉन-22: लंग कैंसर, कोविड-19 और प्रदूषण के दुष्प्रभाव पर मंथन

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल और आर.एन.टी मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में उदयपुर में चेस्ट विशेषज्ञों की चारदिवसीय 24वीं राष्ट्रीय कान्फ्रेस नेपकॉन-22, आयोजित की गई। जिसका समापन 13 नवम्बर को हुआ।

इस कान्फ्रेन्स की थीम 'इनकरेज प्रिसिशन मेडिसिन' था। जिसका अर्थ हैं सही जांच करके सही दवा प्रदान करना। इस प्रकार का सम्मेलन प्रतिवर्ष नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (एन सी सी पी) एवं इंडियन चेस्ट सोसायटी (आई सी एस) के तत्वावधान में होता हैं। दक्षिणी राजस्थान में यह आयोजन पहली बार हुआ। इसमें देश-विदेश से 2000 से अधिक श्वॉस रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। पहले दिन आन.एन.टी मेडिकल कॉलेज में 13 वर्कशॉप हुई। नेपकॉन का उद्घाटन आर.एन.टी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ लाखन पोसवाल ने किया। विशिष्ठ अतिथि गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जे.पी.अग्रवाल, राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजीव जैन, सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई.वी. त्रिवेदी, नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशीयन के अध्यक्ष डॉ. राकेश भार्गव, डॉ. एस.एन.गौड़, ऑर्गेनाईजिंग चेयरमैन डॉ. एस.के. लुहाड़िया, सेकेट्री डॉ. महेन्द्र और डॉ. अतुल लुहाड़िया, इंडियन चेस्ट सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. डी.जे.राय, सचिव डॉ. राजेश स्वर्णकार और सांईटीफिक कमेटी के अध्यक्ष डॉ. एस.के.कटिहार थे। कार्यशाला में पल्मोनरी की नई तकनीक 'इबस' और नेविगेशनल ब्रोंकोस्कॉपी पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों के अनुसार श्वास नली में कई गांठों के उपचार के लिए इस तरह की तकनीक की जरूरत है। जिससे कैंसर या अन्य तरह की गांठों में उपचार के दौरान काफी आसानी रहती है। दरअसल, साधारण ब्रोंकोस्कॉपी यानी दूरबीन की सहायता से मुंह के रास्ते से श्वास नली में गांठ को ढूंढकर इलाज किया जाता है। लेकिन कई जटिल गांठों का इलाज आसान नहीं होता। क्यों कि श्वास नली में कई सूक्ष्म छेद होने के चलते गांठों को ढूंढना काफी मुश्किल रहता है। ऐसे में नेविगेशनल पैटर्न पर यानी नेविगेशनल ब्रोंकोस्कॉपी के जरिए गांठ ढूंढना आसान रहता है।

फेफड़ों में सिकुड़न और फाइब्रोसिस पर चर्चा

कान्फ्रेस के दूसरे दिन फेफड़ों में सिकुड़न को लेकर डॉ.एस.एन.गुप्ता ने लेटेस्ट गाइडलाइन्स के बारे में जानकारी दी। डॉ अनिकेत भढ़के ने हाइपर सेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस बीमारी की जांच और निदान के बारे में प्रकाश डाला। सारकॉइडोसिस की जांच और निदान के संबंध में अमेरिकन थोरोसिस सोसायटी की नवीनतम गाइडलाइंस के बारे में डॉ. नवीन दत्त ने जानकारी दी। दिल्ली के नामी चेस्ट फिजिशियन डॉ आदित्य चावला ने दूरबीन द्वारा फेफड़ों की बायोप्सी (ट्रांस ब्रोंकिल क्रायो बायोप्सी) के बारे में भारत में लागू नवीनतम गाइडलाइन और इसकी लेटेस्ट रिपोर्ट की जानकारी दी। डॉ. एस. के. कटियार ने इंहेलेशन और नेबुलाइजेशन थैरेपी पर भारत की 2022 की नवीनतम गाइडलाइन, दिल्ली के डॉ. जी. सी. खिलनानी ने एंटीबायोटिक के सही उपयोग, पीजीआई (चंडीगढ़) के डॉ ध्रूव चौधरी ने रेस्पिरेटरी फैल्योर के संबंध में नॉन इनवेसिव वेंटिलेशन के बारे में जानकारी दी। वी. पी. चेस्ट इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ. राजकुमार ने रेस्पिरेटरी एलर्जी की जांच की गाइडलाइन्स एवं नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन के सचिव डॉ. एस. एन. गौर ने एलर्जन इम्यूनो थैरेपी के बारे में जानकारी दी। मुंबई के प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट डॉ. व झंखारिया ने फेफड़ों की विभिन्न बीमारियों की जांच में एक्सरे और सीटी स्कैन की महत्ता की जानकारी दी।

गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल के डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने बताया कि नेपकॉन के अन्तिम दिन चेस्ट विशेषज्ञ डॉक्टर्स और प्रोफेसर्स द्वारा लंग कैंसर होने के कारण, निवारण और नवीनतम तकनीक पर आधारित जाँच पर गहन मंथन किया गया। इसके साथ ही हाल ही में कोविड-19 महामारी के बाद मानव शरीर और उसके अंगों पर होने वालें दुष्प्रभावों और बीमारियों (पोस्ट कोविड और लोंग कोविड) पर हुई विशेष चर्चा में मेडिकल जगत को नवीनतम जानकारियां प्रदान की गई। कांफ्रेंस में बढ़ते वातावरण प्रदूषण से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभाव, फेफड़ों और श्वास से जुड़ी बीमारियों के कारण, निवारण और निदान पर भी विचार कर चर्चा की गयी।

गट्टानी को समर्पित 'हां कहने का सुख' पुस्तक

उदयपुर। केजी गट्टानी फाउण्डेशन द्वारा मुस्कान क्लब के स्थापना दिवस पर ओरियंटल पैलेस रिसोर्ट में बॉलीवुड गायक प्रवीण गौतम एवं अतुल पण्डित ने अपनी मधुर आवाज से भजन संध्या में समां बांध दिया। श्रद्धा गट्टानी ने बताया कि अजमेर के प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद सोमानी हंस द्वारा लिखित व्यंग्यात्मक पुस्तक 'हां कहने का सुख' स्व कृष्णगोपाल गट्टानी को समर्पित की गई। मुख्य अतिथि आईएम अध्यक्ष डॉ आनन्द गुप्ता, विशिष्ट अतिथि कौशल्या गट्टानी, नितिन गट्टानी, नीरज गट्टानी, विनोद सोमानी हंस व मुस्कान क्लब अध्यक्ष एसएस राजोरा थे।

एनआईसीसी ने उदयपुर में खोला नुस्खे का पहला स्टोर

उदयपुर। एनआईसीसी ने शहर में नुस्खे का पहला स्टोर खोला। मीरा नगर एनआईसीसी परिसर में खुले इस स्टोर का जयपुर की प्राणिक हीलर एवं व्यवसायी पूजा तनेजा ने उद्घाटन किया। एनआईसीसी निदेशक डॉ. स्वीटी छाबड़ा ने बताया कि यह चेहने की तकनीक जो रंग को बढ़ाने के लिए प्राकृतिक त्वचा के कार्यों को उत्तेजित करती है। उसके लिए एफजीएफ-2 अधिक संरक्षित है।

वेदों के संरक्षण से ही बचेगा भूमंडल: प्रो. नैष्ठिक

बांसवाड़ा/प्रत्यूष ब्यूरो। वैदिक एवं आधुनिक भौतिकी शोध संस्थान भीनमाल के आचार्य प्रो. अग्निव्रत नैष्ठिक ने कहा कि सम्पूर्ण वेद शुद्ध विज्ञान है। आज इनकी महता पूरा विश्व सप्रमाण स्वीकार कर रहा है। वेदों के ज्ञान में जगत कल्याण की भावना मूल है। इसी कारण वेदों का संरक्षण सृष्टि के कल्याण के लिए अपरिहार्य है। वेद बचेंगे, तो ही भूमंडल बचेगा। प्रो. नैष्ठिक गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय और हरिदेव जोशी राजकीय कन्या महाविद्यालय के साझे में आयाजित वैदिक साहित्य में विज्ञान विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता वेदों के मूल को समझने और इनमें छिपी वैज्ञानिकता का उद्घाटन करने की है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जीजीटीयू के कुलपति प्रो. आईवी त्रिवेदी ने कहा कि वेद ज्ञान, विज्ञान और दर्शन, वे महासागर हैं जिनमें दुनिया के भौतिक-अभौतिक विकास के सूत्र हैं। विज्ञान और तक्र की कसौटियों पर खरे वैदिक ज्ञान को आम जन में पहुंचाने से समस्याओं से मुक्ति मिल सकेगी। मुख्य अतिथि पूर्व आईपीएस टीसी डामोर ने कहा कि वैदिक वांग्मय अपने आप में पूरे विश्व के कल्याण का कोष है। इसके शोध और अनुसंधान की प्रचुर संभावनाएं है। संसाधन सीमित हैं, लेकिन भविष्य में योजनाबद्ध तरीके से इसके क्षितिजों से सभी परिचित होंगे। प्रारंभ में यजुर्वेद की शांखायनी शाखा के विद्वानों ने मंगलाचरण किया। समन्वयक और वेद विद्यपीठ के निदेशक डॉ. महेंद्र प्रसाद के स्वागत उपरांत आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार वैष्णव ने विषयपरक जानकारी दी। उद्घाटन सत्र में आभार प्रदर्शन डॉ. रक्षा निनामा ने किया।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Pavan Roat
Director
94141 69583

नए गैस कनेक्शन तुरन्त उपलब्ध है

जीहाँ!

HP GAS
SURYA GAS AGENCY

HP GAS

19 K.G. गैस सिलेण्डर
मांगलिक कार्यक्रम एवं
व्यवसायिक उपयोग हेतु
सम्पर्क करें।

12, Vinayak Complex,
Opp. Mahasatiya
Dainik Bhaskar Road,
Ayad, Udaipur

पाठक-पीठ

राजस्थानी भाषा की मान्यता को लेकर 'शिवदान सिंह जोलावास' का मायड़ स्तंभ के अन्तर्गत प्रकाशित लेख विचाणीय है। स्वास्थ्य की दृष्टि से बदलते मौसम में हावी होने वाली बीमारियों के उपचार सम्बंधी विष्णुदत्त भट्टमेवाड़ा की सलाह भी अच्छी लगी।

राहुल अग्रवाल, चेयरमैन, पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल

नवम्बर अंक मिला। वेदव्यास का आलेख 'हर तरफ आदमी का शिकार आदमी' और महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी के सन्यास पर लिखा गया प्रिशा शर्मा के आलेख काफी प्रभावशाली थे। 'प्रत्यूष' के शेष पृष्ठ भी यदि रंगीन बनाए जाएं तो बेहतर होगा।

एन.के. रावल, उपमहाप्रबंधक, लिपि डेटा सिस्ट्म्स

नवम्बर–22 के प्रत्यूष अंक में 'शुजाअत अली कादरी' का आलेख 'मुस्लिमों की मुश्किलें ही बढाएंगे पीएफआइ जैसे संगठन' एक कड़वी सच्चाई है। मुस्लिम समुदाय मुख्यधारा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे स्वयं उन लोगों के चेहरों से नकाब हटाना चाहिए जो उसकी छवि खराब करने पर आमादा हैं। केन्द्र ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाकर एकदम उचित किया है।

बाबूलाल तेली, डायरेक्टर, सांवरिया कन्स्ट्रक्शन

'प्रत्यूष' का नवम्बर–22 अंक कुछ मुद्दों को लेकर विश्लेषणात्मक रहा। गुजरात–हिमाचल चुनाव और कांग्रेस की मौजूदा स्थिति और नये अध्यक्ष की चुनौतियों को लेकर आलेख व सम्पादकीय विचारोत्तेजक थे। निश्चय ही कांग्रेस को अपना अध्यक्ष बदलने से ही राहत नहीं मिलने वाली है, पार्टी में कागजी नेताओं को दर किनार कर जमीनी स्तर पर काम करने वालों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देनी होगी।

डालचंद हलवाई, व्यवसायी

प्रत्यूष

प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें

75979 11992, 94140 77697

भारत में ई-रुपया का आगाज़

पायलट परीक्षण के तहत रिजर्व बैंक ने जारी की डिजिटल मुद्रा, बनेगी अर्थव्यवस्था की मजबूरी का आधार। खुदरा स्तर पर भी जल्दी ही चलन।

अमित शर्मा

भारत में 1 नवम्बर को डिजिटल करंसी ई-रुपया की शुरुआत के साथ नए युग का आगाज हुआ। बजट घोषणा के अनुसार रिजर्व बैंक ने इस योजना का पायलट परीक्षण शुरू किया है। पहले दिन कारोबारियों के लिए थोक खंड में 24 लेनदेन किए गए। डिजिटल करंसी का इस्तेमाल सरकारी बॉन्ड खरीदने में किया गया। इन सौदों की कीमत 2.75 अरब रुपए रही। यह हमारे और देश के लिए गर्व व उपलब्धि का क्षण है, क्योंकि एक तय समय सीमा के अंदर देश में आंशिक रूप से इस संकलपना को लगू कर दिया गया, जबकि अब भी दुनिया के अनेक केंद्रीय बैंक सीबीडीसी को अपने देश में अमलीजामा पहनाने में सफल नहीं हुए हैं।

सभी नौ बैंक जुड़े: रिजर्व बैंक के मुताबिक, केन्द्रीय बैंक डिजिटल करंसी (सीबीडीसी) यानी ई-रुपया में पहले दिन हुए लेनदेन में सभी नौ बैंक जुड़े रहे। इस दौरान डिजिटल करंसी तुरंत जारी करने के साथ-साथ उसी समय सौदा निपटान की प्रक्रिया जांची गई।

रियल टाइम में लेनदेन- विशेषज्ञों के अनुसार, सीबीडीसी में नकद देते ही इंटरबैंक सेटलमेंट की जरूरत नहीं रह जाएगी। इससे डिजिटल पेमेंट सिस्टम की तुलना में लेनदेन रियल टाइम और कम लागत में होगा। आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ योगेन्द्र कपूर के अनुसार ई-रुपया में भारत की डिजिटल अर्थव्वस्था और मजबूत होगी। साथ ही देश में पेमेंट सिस्टम को पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी।

एक महीने में खुदरा शुरुआत: आरबीआई के अनुसार डिजिटल रुपए (खुदरा खंड) का पहला पायलट परीक्षण विशेष उपयोगकर्ता समूहों के बीच चुनिंदा स्थानों में किया जाएगा, जिसमें ग्राहक और कारोबारी शामिल होंगे। इसकी शुरुअता एक महीने के भीतर करने की योजना है। इस साल बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने डिजिटल करंसी लाने की योजना का ऐलान किया था।

लंबी कार्ययोजना: रिजर्व बैंक देश में क्रिप्टोकरंसी की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के मद्देनजर आसान और सुरक्षित डिजिटल करंसी लाने की योजना पर काफी समय पहले से काम कर रहा था। आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास कई बार क्रिप्टो को लेकर चिंता जता चुके थे।

अर्थव्यवस्था से कुछ अच्छे संकेत

कोरोना के बाद मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी के पांच ऐसे अच्छे संकेत मिले हैं जो भारत की आर्थिक वृद्धि पर आम लोगों से लेकर उद्योग जगत का भरोसा बढ़ने की ओर इशारा कर रहे हैं।

जीएसटी: दूसरा सबसे बड़ा संग्रह

1.52 लाख करोड़

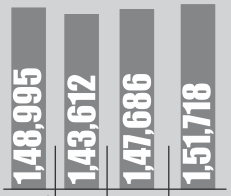

वित्त वर्ष 2022-23 में जीएसटी संग्रह

वजह: त्योहारों की वजह से उत्पाद-सेवाओं की मांग में तेज उछाल, कारोबारी गतिविधियों में तेजी

मायने: उपभोक्ता और कम्पनियां खर्च करने के लिए तैयार। आर्थिक वृद्धि और रोजगार के अवसर बढ़े

यूपीआई: नए शिखर पर लेनदेन

7.30 करोड़ भुगतान

वजह: ई-कॉमर्स पर भुगतान में इजाफा

मायने: आसान-सुरक्षित भुगतान पर भरोसा

वाहन बिक्री: धनवर्षा से हौसले बढ़े

20% औसत वृद्धि

वजह: त्योहारों पर जमकर खरीदारी

मायने: वाहन उद्योग में अवसर बढ़े

सोना: कोरोना पूर्व स्तर पर आई मांग

192 टन की खपत

वजह: आसान कर्ज और दाम में गिरावट

मायने: उपभोक्ता खर्च को लेकर उत्साहित

पीएमआई: सवा साल से तेजी जारी

55.3 पर सूचकांक

वजह: नए ऑर्डर और उत्पादन में वृद्धि

मायने: आर्थिक वृद्धि पर उद्योग आशावान

क्रिप्टो में भारत में 80 फीसदी निवेशक 500 से दो हजार रुपए लगाने वाले की श्रेणी में हैं। उन्होंने कहा था था कि ऐसे निवेशकों को क्रिप्टो के जोखिम का पता नहीं होता।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) केन्द्रीय बैंक खुदरा ग्राहकों के लिए डिजिटल मुद्रा (डिजिटल रुपया) का पायलट परीक्षण एक माह के भीतर शुरु कर सकता है। इससे ग्राहकों के लिए लेनदेन और आसान हो जाएगा। साथ ही भुगतान की लागत भी घटने के आसार है।

इस प्रणाली में बिचौलिया की कोई भूमिका नहीं होगी, क्योंकि सीबीडीसी भुगतान करने वाले और भुगतान लेने वाले को सीधे तौर पर जोड़ेगी। सीबीडीसी के जरिये सरकारी योजनाओं से जुड़े विभाग या संस्थान बिना किसी व्यक्ति के सम्पर्क में आए सीधे लाभार्थियों को लाभ पहुंचा सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहां तो यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लेन-देन पूरा होने के बाद सर्विस प्रोवाइडर को भुगतान किया जाए, जिससे भ्रष्टाचार के मामलों में कमी आएगी। हालांकि यह साफ नहीं हैं कि वैसे लाभार्थियों के संदर्भ में सरकार या निजी संस्थान या कॉरपोरेट क्या करेंगे, जिनके पास मोबाइल, लेपटॉप, डेस्कटॉप, टैब आदि नहीं हैं। वित्तीय रूप से साक्षर लोग ही सीबीडीसी का उपयोग करने में समर्थ होंगे।

सरकारी और निजी योजना में भी फायदेमंद

ई-रुपया यह सुनिश्चित करता है कि लेनदेन पूरा होने के बाद ही सेवा प्रदाता को भुगतान हो। यह आसान सुरक्षित और अन्य भुगतान विकल्पों के मुकाबले बेहतर माध्यम है। इसका उपयोग सरकारी योजनाओं में भी किया जा सकेगा। रिजर्व बैंक की ओर से डिजिटल करंसी पेश करने के बाद सबकी नजरें इसके फायदा-नुकसान पर टिक गई है। दुनियाभर के देश डिजिटल करंसी से अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देने की तैयारी में हैं। अमेरिकी थिंक टैंक काउंसिल के अनुसार दुनिया में दस केन्द्रीय बैंकों ने डिजिटल करंसी का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। इसमें बहामास, नाइजीरिया, एंटीगुआ, डॉमनिका, ग्रेनेडा, मॉन्टस्ट्रीट, सेंट किट्स, सेंट लूसिया, सेंट विंसेट और ग्रेडडाइन्स जैसे देश शामिल है।

बैंकों की स्थिति पर असर

सीबीडीसी के चलने से बैंक में जमा के लिए लेनदेन की मांग कम होगी। इससे उनकी जमा कम होंगी। वहीं यदि बैंक जमा राशि खो देते हैं, तो क्रेडिट बनाने की उनकी क्षमता सीमित हो जाएगी क्योंकि केन्द्रीय बैंक निजी क्षेत्र को लोन प्रदान नहीं कर सकते हैं।

नोट छपाई का खर्च बचेगा

आरबीआई के अनुसार देश में 100 रुपए के एक नोट को छापने पर 15 से 17 रुपए की लागत आती है। एक नोट करीब चार साल तक चल पाता है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2021-22 में 4.19 ख अतिरिक्त नोट छापे थे। जिसके लिए उसे हजारों करोड़ रुपए खर्च करने पड़े थे। डिजिटल करंसी के साथ ये लागत लगभग खत्म हो जाएगी।

अन्य डिजिटल भुगतान से अलग ई-रुपया

सीबीडीसी और डिजिटल भुगतान के बीच प्राथमिक अंतर है। ई-रुपया रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी, वहीं रुपए का लेन-देन वाणिज्यिक बैंक की जिम्मेदारी होगी। सभी लेनदेन केन्द्रीय बैंक के माध्यम से होंगे।

जी-20 देश डिजिटल मुद्रा की दिशा में आगे बढ़े

अटलांटिक काउंसिल के अनुसार, जी-20 देशों के समूह में से 19 देश डिजिटल मुद्रा की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। बीते छह महीने में भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, रूस इस दिशा में सबसे बेहतर स्थिति में हैं। वहीं अमेरिका, ब्रिटेन और मैक्सिको अभी इस पर शोध कर रहे हैं।

इस तरह काम करेगा

1. यह एक वाउचर है जिसे हस्तांतरित नहीं किया जा सकता। यानी केवल वही इसका इस्तेमाल कर सकेगा, जिसके लिए जारी किया गया है।
2. यह क्यूआर या एसएमएस कोड के रूप में होगा। इन्हें स्कैन किया जा सकेगा। सत्यापन के लिए लाभार्थी के मोबाइल नंबर पर एक कोड भेजा जाएगा। इसके जरिये वाउचर से भुगतान हो जाएगा।
3. इसका इस्तेमाल एक ही बार किया जा सकता है। यह कैशलेस और कांटेक्टलैस प्रणाली है।
4. इसमें बैंकों की तरह निपटान की जरूरत नहीं होगी। इससे डिजिटल पेमेंट सिस्टम की तुलना में लेनदेन ज्यादा रियल टाइम और कम लागत से होगा।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

संघर्ष के सफ़र में, 'चांदी ही चांदी'

टोक्यो पैरालिंपिक–2020 में रजत पदक हासिल करने वाले जेवलिन थ्रोअर राजस्थान के देवेंद्र झाझड़िया ने सितम्बर–2022 में मोरक्को में सम्पन्न वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्रीक्स में रजत पदक जीत कर फिर देश को गौरवान्वित किया। लगातार बीस वर्ष तक देश के लिए पदक जीतना उनके समर्पण, सूझ–बूझ और परिश्रम का ही परिणाम है। बीस साल के इस सफ़र में उनकी उपलब्धियों और संघर्ष को फोकस करता प्रस्तुत है– विश्व विकलांग दिवस (3 दिसम्बर) पर विशेष आलेख।

प्रशांत अग्रवाल

देश के स्टार जेवलिन थ्रोअर खेल रत्न अवार्डी देवेंद्र झाझड़िया ने मोरक्को के मारकेच सिटी में सितम्बर में सम्पन्न वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्रीक्स में रजत पदक जीतकर एक बार फिर देश को गौरवान्वित किया है। देवेंद्र के जेवलिन थ्रोअर ने 60.97 मीटर की दूरी तय करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। भारत के ही अजित कुमार ने 64 मीटर जेवलिन फेंककर स्वर्ण पदक जीता। सिल्वर मेडल से उत्साहित झाझड़िया ने कहा कि वर्ष 2002 में उन्होंने दक्षिण कोरिया में पैरा एशियन गेम्स में गोल्ड के रूप में कैरियर का पहला अंतरराष्ट्रीय पदक जीता था। आज बीस साल तक देश के लिए पदक जीतना गौरवान्वित करता है। इसमें भी लगभग हर साल पदक जीते हैं। बढ़ती उम्र के सवाल पर वे कहते हैं कि हर किसी के जीवन में एज फेक्टर होता है और खिलाड़ियों के लिए तो खास तौर पर होता है, लेकिन आप अपने समर्पण, सूझबूझ और मेहनत से इसका असर कम कर सकते हैं। बढ़ती उम्र के साथ रिकवरी मुश्किल से होती है तो आपको यह ध्यान रखना होता है कि कैसे कम से कम इंजरी हो। डाइट प्लान तो खैर महत्वपूर्ण है ही। आपको याद रखना पड़ता है कि आप चालीस पार कर चुके हो और आपका मुकाबला बीस साल वाले युवाओं के साथ है।देवेंद्र ने सफलता का श्रेय कोच सुनील तंवर, फिटनेस कोच लक्ष्य बत्रा को देते हुए कहा कि भारत सरकार की टॉप्स स्कीम में फिनलैंड में की गई ट्रेनिंग काफी मददगार रही। इसके बाद गांधी नगर में भी लगातार ट्रेनिंग कर रहा हूं। सरकार पूरा खर्च उठा रही है।

उपलब्धियां

2012 में 'पद्मश्री' से सम्मानित होने वाले देश के पहले पैरालिंपिक खिलाड़ी।

2013 में फ्रांस के लियोन में आयोजित आईपीसी एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

2014 में दक्षिण कोरिया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स और 2015 की वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया।

2014 में फिक्की पैरा–स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर चुने गए।

2020 टोक्यो पैरालंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन। रजत पदक जीता।

अल्पायु में हादसा

देवेन्द्र झाझड़िया का जन्म 10 जून, 1981 को राजस्थान के चूरू जिले में हुआ। मात्र आठ साल की उम्र में देवेन्द्र के साथ ऐसा भयानक हादसा हुआ, जिसने उनकी जिंदगी ही बदल दी। वे एक पेड़ पर चढ़ रहे थे कि तभी उनका हाथ बिजली के तार से जा टकराया। 11 हजार वोल्ट के करंट के कारण पूरा हाथ झुलसा गया। तमाम कोशिशों के बावजूद देवेन्द्र का बायां हाथ काटना पड़ा और ये उनके और उनके परिवार के लिए किसी वज्रपात से कम नहीं था। देवेन्द्र का हाथ कटा, लेकिन इसके बाद भी उनके अंदर जीने का जज्बा बना रहा, उनके मनोबल ने उनके घरवालों को हिम्मत दी और देवेन्द्र ने एथलीट की दुनिया में कॅरियर बनाने का फैसला किया। एक स्कूल के आयोजन में उनकी प्रतिभा की पहचान कोच आर.डी.सिंह ने की थी। गुरू आर.डी.सिंह को द्रोणाचार्य पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। देवेन्द्र अपने 2004 पैरालंपिक स्वर्ण पदक के लिए उन्हें ही श्रेय देते हैं।

संघर्ष भरा सफ़र

बीस साल के खेल सफर में उपलब्धियां हैं तो देवेन्द्र के जीवन में संघर्ष भी खूब रहा। कभी इंजरी ने परेशान किया तो कभी ओलंपिक में जेवलिन थ्रो का इवेंट ही नहीं रहा, लेकिन फोकस सिर्फ गेम पर रहा। उसी का नतीजा है कि हम इस पदक तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी युवा यदि मेहनत करे और टारगेट पर फोकस रखे तो उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। टोक्यो पैरालिंपिक के बाद फिर से प्रशिक्षण पर आ गया था। सरकार ने भी खूब सुविधाएं मुहैया करवाई। भारत में स्पोर्ट्स का माहौल बदल रहा है। लोगों का स्पोर्ट्स और दिव्यांगो के प्रति नजरिया बदल रहा है। 'पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब' के साथ अब 'खेलोगे कूदोगे तो बनोगे लाजवाब' का नारा चल रहा है।

व्यक्तिगत जीवन

भारतीय रेल के एक पूर्व कर्मचारी झाझड़िया वर्तमान में भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ कार्यरत हैं। उनकी पत्नी मंजू, एक पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी खिलाड़ी हैं। उनकी एक बेटी, जिया और एक पुत्र, कवियन हैं।

(लेखक दिव्यांगजन की सेवा–चिकित्सा में समर्पित नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष हैं)

With Best Compliments

Ravi Kalra
Sandeep Kalra

Cell : 9680511711
9414155258

G.S Traders

Auth. Dealer :

Nice, Rock, FIT-WIT
Bairathi, Lakhani, Sumoto

Gurmukh Kalra
Rahul Kalra

Cell : 9001714646
9929022680

G.S FOOTWEAR

L.L.L GED

hot springs

25, Dhanmandi School Road, Udaipur (Raj.) 313 001

© 2014 www.getcliparts.com
You are not allowed to republish this image on any websites without add link image source to www.getcliparts.com

सर्द मौसम में राहत दे अश्वगंधा

वैद्य शोभालाल औदिच्य

चमत्कारी और अमृत तुल्य मानी जाने वाली 'अश्वगंधा' का आयुर्वेद चिकित्सा में महत्वपूर्ण स्थान है। अपने नाम के अनुरूप इस पौधे के हरेक भाग में अश्व यानी घोड़े के शरीर जैसी गंध आती है, जो इसकी पहचान भी मानी जा सकती है। इसमें शरीर को स्वस्थ और ताकतवर बनाने के औषधीय गुण हैं।

अश्वगंधा तासीर में गर्म होने के कारण इसका उपयोग आमतौर पर सर्दियों में करना ज्यादा मुफीद और फायदेमंद होता है। सर्दी के दिनों में जिन्हें अधिक ठण्ड महसूस होती है, वे एक ग्राम अश्वगंधा पाउडर गर्म दूध के साथ सेवन कर सकते हैं। यह खांसी, श्वास रोग, रक्तचाप, तनाव, अनिद्रा आदि रोगों में भी बड़ी कारगर है।

खांसी से छुटकारा: 10 ग्राम अश्वगंधा की जड़ को कूट लें। इसमें 10 ग्राम मिश्री मिलाकर 400 ग्राम पानी में तब तक उबालें, जब तक वह आधा न रह जाए। अब थोड़ा ठंडा करके पिएं। सूखी खांसी की स्थिति में एक ग्राम अश्वगंधा में एक छोटा चम्मच गाय का घी मिलाकर गर्म दूध के साथ पिएं, लाभ होगा।

श्वसन रोगों में मुफीद: अश्वगंधा की उष्ण प्रकृति कफ और वात दोष का शमन करने में मददगार साबित होती है। इसकी तीन ग्राम जड़ के काढ़े में थोड़ी-सी शक्कर और गाय का देसी घी मिलाकर पिएं। जड़ को पीस कर एक कप पानी में उबाल कर चाय बनाकर भी पी सकते हैं। रात में सोने से पहले गर्म दूध के साथ एक-दो ग्राम अश्वगंधा का चूर्ण ले सकते हैं।

पाचन तंत्र करे सुचारू: पेट संबंधी समस्याएं दूर कर अश्वगंधा पाचन तंत्र को सुचारू करने में मदद करती है। बराबर-बराबर मात्रा में अश्वगंधा पाउडर और मिश्री लें, उसमें थोड़ी सौंठ मिलाकर गर्म पानी के साथ सेवन करें, पेट से जुड़ी समस्या नियंत्रित हो जाएगी। कब्ज की शिकायत हो तो दो ग्राम अश्वगंधा पाउडर गुनगुने पानी के साथ लें।

उच्च रक्त चाप करे कम: नियमित तौर पर एक ग्राम अश्वगंधा चूर्ण गर्म दूध के साथ लेने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। अश्वगंधा चूर्ण में अर्जुन की छाल का चूर्ण बराबर मात्रा में मिलाकर गर्म पानी के साथ एक-एक चम्मच सुबह-शाम सेवन करने से हृदय संबंधी कमजोरी दूर होती है।

तनाव और अनिद्रा करे दूर: रात को सोने से पहले गर्म दूध के साथ एक टेबल स्पून अश्वगंधा चूर्ण खाने से अनिद्रा की शिकायत दूर होती है।

जोड़ों के दर्द में आराम: आर्थ्राइटिस में होने वाली सूजन और जोड़ों के दर्द में अश्वगंधा का सेवन फायदेमंद है। आधा से एक ग्राम अश्वगंधा पाउडर, गिलोय सत और शक्कर बराबर-बराबर मात्रा में मिला लें। एक गिलास दूध में एक चम्मच पाउडर मिलाकर पकाएं। जब दूध एक-चौथाई रह जाए तो थोड़ा ठंडा करके पिएं।

पीठ दर्द से राहत : चौथाई से आधा चम्मच अश्वगंधा पाउडर पानी के साथ लें। यूरिक एसिड बढ़ने से पैरों में होने वाले दर्द के लिए हल्दी,मेथी,सोंठ और अश्वगंधा के पाउडर को बराबर मात्रा में मिलाकर सुबह-शाम गर्म पानी या दूध के साथ लें।

शरीर को दे मजबूती: आधा ग्राम अश्वगंधा के चूर्ण में बराबर मात्रा में मोटी मिश्री का चूर्ण और शहद मिलाकर गाय के दूध के साथ पीने से मांसपेशियों या नाड़ियों की दुर्बलता दूर होती है और शरीर मजबूत बनता है। एक ग्राम अश्वगंधा पाउडर में मिश्री मिलाकर गर्म दूध के साथ सेवन करें। कुपोषणग्रस्त बच्चों को दो-तीन रत्ती अश्वगंधा के चूर्ण में शहद मिलाकर दूध के साथ देना फायदेमंद है।

बरतें सावधानी

गर्म तासीर वाला होने के कारण अश्वगंधा का इस्तेमाल गर्मी के मौसम में नहीं करना चाहिए। सर्दियों में भी अश्वगंधा का सीमित मात्रा में ही से वन करना बेहतर है। इसके अधिक सेवन से गैस बनने, डायरिया, उल्टी आना, आंतों को नुकसान होना, चक्कर आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लो ब्लड प्रेशर, शुगर, अनिद्रा, पेट संबंधी समस्याओं से पीड़ित व्यक्तियों को अश्वगंधा का सेवन करते समय एहतियात बरतनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं को इसके सेवन से बचना चाहिए, क्योंकि इससे प्रसव जल्दी होने की आशंका रहती है।

नवजात

सुबह की धूप में नवजात की मालिश: सर्दी की शुरूआत हो चुकी है। इस समय बच्चों में संक्रमण की आशंका रहती है, खासतौर से नवजात शिशुओं में। उनकी इम्युनिटी कम होने के चलते मौसमी फ्लू, कफ-कोल्ड, डर्मेटाइटिस आदि होने की आशंका बढ़ जाती है। इन दिनों में नवजातों की अतिरिक्त देखभाल के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

नहलाएं या स्पंज बाथ दें: बेहतर हाइजीन के लिए नवजात शिशु को नहलाना जरूरी होता है, क्योंकि एक दिन भी नहीं नहलाने से उनके अंदर से दूध की गंध आने लगती है। आप शिशु को कभी-कभी नहलाएं और न नहलाएं तो उस दिन स्पंज बाथ दे सकते हैं। इसके लिए टॉवल को गुनगुने पानी में भिगोकर बच्चे के हाथ-पैर, मुंह और शरीर साफ करें।

मालिश जरूर करें: शिशु के शरीर की ड्राइनेस दूर करने के लिए नारियल तेल को गुनगुना कर मालिश करना जरूरी है। इसके शरीर में गर्माहट बनी रहेगी। सुबह 11 से दोपहर 12 बजे के बीच जब अच्छी धूप हो तब मालिश करें। शिशु को लगने वाले टीके स्किप न करें और उन्हें समय से लगवाएं

कई परतों में कपड़े पहनाएं: शिशु को सूती व ढीले कपड़े पहनाएं। कम से कम दो परत नीचे के कपड़े पहनाएं। सिर व पैर ढंकने के लिए टोपी व मोजे पहनाएं।

मां का दूध ही पिलाएं: मां का दूध शिशु के लिए अमृत तुल्य है। शुरूआती छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध ही पिलाएं। **-डॉ. शरद थौरा,शिशु रोग विशेषज्ञ इंदौर**

संयोग

ढाई का दूल्हा, तीन फुट की दुल्हन

'मेरा निकाह करा दो' यह गुहार कहां-कहां नहीं लगाई अजीम मंसूरी ने। तीन मुख्यमंत्री, तमाम अफसर-थाने, जो भी मिला उससे यही गुहार... निकाह करा दो। आखिर अल्लाह ने अजीम की सुन ली। ढाई फीट के अजीम के सिर पर 9 नवम्बर को सेहरा बंधा। कैराना से बारात लेकर हापुड़ पहुंचे और तीन फीट की दुल्हन बुशरा से निकाह करके घर लौटे। अनोखी शादी को देखने इतनी भीड़ उमड़ी कि पुलिस को बुलाना पड़ा। अजीम तकरीबन चार साल से अपने निकाह के लिए परेशान थे। इस बीच उन्होंने परेशान होकर कैराना कोतवाली में अपने घर वालों के खिलाफ तहरीर भी दी कि घर वाले उनका निकाह नहीं करा रहे। फिर महिला थाने पहुंचकर निकाह कराने की गुहार लगाई थी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक उन्होंने गुहार लगाई।

With Best Compliments

BATHIJA BOOTS

Deals in : Ladies, Gents & All Kids Branded Footwears

School Shoes Also Available

Opp. Fountain, Out side Surajpole Circle, Udaipur

बलिदानी परम्परा में अद्वितीय गुरू गोविन्दसिंह

दसवें गुरू गोविन्द सिंह का 356वां प्रकाशोत्सव 29 दिसम्बर को हर कस्बे, शहर नगर, महानगर में बड़ी धूम से मनाया जाएगा। आज के इस दौर में जबकि हर ओर तनाव, निराशा, पलायन का अंधेरा है, गुरू गोविन्दसिंह का जीवन एक प्रकाश पुंज है। लोग या तो बीते हुए स्याह कल से घिरे हैं या इस बात से डरे-सहमे हैं कि कल क्या होगा? ऐसे विसंगत समय में गुरू गोविन्द सिंह का बलिदानी जीवन किसी भी पराजित मानसिकता को विजय की शंखध्वनि में बदल सकता है।

अर्जुन पंजाबी

हम जरा उस प्रतिकूल समय की कल्पना करें, डर, आशंका और विकट भय से रोम-रोम सिहर उठेगा, जिसमें गुरू गोविन्दसिंह उनके चारों बेटे और माता गुजरी घिरे थे। सारे संसार के लिए वीरता की मिसाल गुरू गोविन्दसिंह हिमालय की तरह अविचल रहे थे। इतिहास में ऐसा संकट आया भले ही अनेकों बार होगा। पर उसका मुकाबला इस तरह करना एक मिसाल ही है। हमारे इतिहास के महान नायकों के भक्ति और शक्ति के स्वरूप गुरू गोविन्दसिंह हैं। जो प्रतिकूलता की पराकाष्ठा में भी अविचल और अडिग रहे।

सरसा नदी पर बिछुड़े माता गुजरी जी एवं छोटे साहिबजादे जोरावरसिंह जी 7 वर्ष एवं साहिबजादा फतेहसिंहजी 5 वर्ष की आयु में गिरफ्तार कर लिए गए। उन्हें सरहद के नवाब वजीर खां के सामने पेश कर माताजी के साथ कैद कर दिया गया। कई दिन धर्म परिवर्तन के लिए धमकियां व लालच दिए गए। दोनों साहिबजादों ने दरबार में गरज कर जवाब दिया कि हम अकाल पुर्ख (परमात्मा) और अपने गुरू पिता के आगे ही सिर झुकाते हैं, किसी और को सजदा नहीं करते। हमारी लड़ाई अन्याय, अधर्म एवं जुल्म के खिलाफ है, हम तुम्हारे इस जुल्म के खिलाफ प्राण दे देंगे लेकिन झुकेंगे नहीं। अंत में वजीर खां ने उन्हें जिन्दा दीवार में चिनवा दिया। साहिबजादों की शहीदी के पश्चात बड़े धैर्य के साथ ईश्वर का शुक्रिया अदा करते हुए माता गुजरी ने अरदास की एवं अपने प्राण- त्याग दिए।

प्रतिकूलता का दुष्चक्र यही नहीं थमा। मुखबिरों ने सूचना मुगलों को दे दी कि गुरू गोविन्दसिंह सिर्फ 40 सिक्खों के साथ किले में रुके हैं तो मुगलों ने हमला कर दिया। इस युद्ध में गुरू गोविन्दसिंहजी के शिष्यों ने मुगलों का मुकाबला बहुत वीरता के साथ किया। सिक्खों को एक-एक करके शहीद होते देख बड़े साहिबजादे अजीतसिंह से न रहा गया, उन्होंने चमकौर किले से बाहर जाकर दुश्मनों से दो हाथ करने की इच्छा व्यक्त की। दुनिया के इतिहास में यह पहली और बेमिसाल घटना थी कि एक पिता ने जिसके दो बेटे बलिदान हो गए व माता ने प्राण त्याग दिए थे अपने 17 वर्षीय बेटे को, अपने हाथ से शस्त्र सजाकर युद्धभूमि में शहीद होने के लिए भेज दिया। साहिबजादे अजीतसिंह ने दुश्मन को तीरों से खदेड़ा। तीर खत्म हो गए। दुश्मनों ने चारों ओर से घेर लिया। अजीतसिंह ने म्यान से तलवार निकाल ली और जोश से ऐसे लड़े कि दुश्मनों की लाशें बिछा दी। तलवार के टुकड़े हो गए। म्यान से सामना किया और शहीद हो गए।

पन्द्रह वर्ष के बाबा जुझारसिंह ने जब अपने बड़े भाई को सूरमा की तरह शहीद होते देखा तो पिता से विनती की कि उन्हें भी भाई की तरह युद्ध भूमि में जाकर दुश्मनों से जूझने की आज्ञा दी जाए। गुरू गोविन्दसिंहजी ने प्रसन्नता के साथ बेटे जुझारसिंह को आज्ञा दी। अपने 15 वर्षीय बेटे को अपने हाथों से हथियार सौंपकर युद्ध भूमि की ओर रवाना किया। साहिबजादा जुझारसिंह शेर की तरह गरजते हुए युद्ध भूमि में जा डटे। उनके युद्ध कौशल, जोश और स्फूर्ति को देख दुश्मनों के दिग्गज योद्धा दंग रह गए। वे उन्हें जीवित पकड़ना चाहते थे पर जो पास आता वह कटकर टुकड़े-टुकड़े हो जाता। एक और सेना की टुकड़ी आई। चारों ओर से वे घिर गए और जमीन पर जख्मी हो कर गिर पड़े। ऐसी मिसाल इतिहास में और नहीं। तभी तो गुरू गोविन्दसिंह ने कहा था-

चिड़ियों से मैं बाज लड़ाऊ,
सवा लाख से एक लड़ाऊ,
तब गोविन्दसिंह नाम कहांऊ

गुरू गोविन्दसिंह जहां विश्व की बलिदानी परंपरा में अद्वितीय थे, वहीं वे स्वयं एक महान लेखक, मौलिक चिंतक तथा कई भाषाओं के ज्ञाता भी थे। वे विद्वानों के संरक्षक और स्वयं वीर एवं विद्वान थे। उनका जन्म नौवें सिख गुरू तेग बहादुर और माता गुजरी के घर पटना में 22 दिसंबर 1666 को हुआ। सन् 1699 में उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना मुगल शासकों के खिलाफ की। 15 वीं सदी में प्रथम गुरू, गुरू, नानक देव द्वारा

स्थानीय गुरू ग्रन्थ साहिब को पूरा किया। सिक्खों के नाम के आगे सिंह लगाने की परंपरा उन्होंने शुरू की। गुरूओं के उत्तराधिकारियों की परंपरा को समाप्त किया और गुरू ग्रन्थ साहिब को ही सिक्खों के लिए गुरू का प्रतीक बनाया। युद्ध में सदा तैयार रहने के लिए उन्होंने पंच ककारों को सिक्खों के लिए अनिवार्य बनाया जिसमें केश, कंघा, कच्छा, कड़ा और कृपाण शामिल है। खड़ी दीवार नामक गुरू गोविन्दसिंहजी की रचना सिक्ख साहित्य में विशेष महत्व रखती है।

भक्ति, शक्ति, विद्वता में अद्वितीय महान गुरू गोविन्दसिंह जैसा बलिदानी और शौर्यशाली वीर और बहादुरी के चरम पर उपस्थित और कोई इतिहास पुरूष नहीं है। ऐसा कि जो युद्ध में दूसरों को न धकेल कर स्वयं आगे आए। अपने पांच साल, पन्द्रह और सत्रह वर्ष के बेटों को भी शहीद होते देखा और फिर औरंगजेब को ऐसा पत्र लिखा कि वह कंपित हो जाए।

आज हम बलिदानी वीरों की जय बोलते हैं, गुरू गोविन्दसिंह, चन्द्रशेखर आजाद, शहीद भगतसिंह की खूब प्रशंसा करते हैं, पर चाहते हैं कि वह पैदा दूसरे के घर में हो। हम चाहते हैं हमारे घर में तो डाक्टर इंजीनियर प्रोफेसर पैदा हो। हम ऐसे बलिदानी महापुरूषों की पूरे मन से, हृदय से जय जय कार करें। तब ही यह प्रकाशोत्सव सार्थक हो सकेगा और एक बलिदानी उजियारा व त्यागीमयी सवेरा हम देख पाएंगे।

बायोडाटा

लुई पाश्चर

27 दिसंबर 1822 को डोल (फ्रांस) में जन्म
28 दिसंबर 1895 को मृत्यु
राष्ट्रीयता–फ्रेंच
क्षेत्र–रसायन विज्ञान, सूक्ष्मजैविकी
संस्थान–स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय– लिले विज्ञान और प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, इकोले नॉर्मले पाश्चर संस्थान
उल्लेखनीय पुरस्कार–
रमफोर्ड मेडल (1856,1892)
कोप्ले मेडल (1874)
अल्बर्ट पदक (1882)

लुई पाश्चर रसायनज्ञ और टीकाकरण के सूक्ष्मजैविकी वैज्ञानिक थे। वे टीकाकरण के सिद्धांतों की खोजों के लिए प्रसिद्ध हैं। बीमारियों के कारण सावधानी और बचाव से सम्बंधित खोजों के लिए उन्हें याद किया जाता है। उनकी खोजों की वजह से आज तक अनगिनत लोगों की जान बचाई जा सकी है। उनकी ही वजह से जच्चा बुखार से मृत्यु दर कम है। उन्होंने ही रेबीज और एंथ्रेक्स जैसे खतरनाक रोगों के लिए शुरूआती टीके बनाए थे। दूध जैसे तरल खाद्य पदार्थों को किटाणुरहित करके संरक्षित करने की तकनीक के अपने आविष्कार के लिए आम जनता में उन्हें आज भी जाना जाता है। जिसे दूध का पाश्चीकरण कहा जाता है। वे विज्ञान में 'सूक्ष्मजैविकी विज्ञान के पिता' के रूप में विख्यात हैं।

Dheeraj Doshi
Director

Hotel
Darshan Palace

UIT Circle, Saheli Marg, Udaipur 313001 (Raj.)
Phone : (0294) 2425679, 2427364, E-mail : dhiru58364@rediffmail.com
website: www.hoteldarshanpalaceudaipur.com

भारत की जी-20 अध्यक्षता: राजनैतिक-सामाजिक रसूख से करेगा ग्लोबल नैरेटिव का मार्गदर्शन

उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए बहुत अहम पल

उम्मीद है कि वसुधैव कटुम्बकम् या 'वन अर्थ, वन फैमेली, वन फ्यूचर' की अपनी थीम और लोगों के साथ भारत जी-20 की अध्यक्षता से एक विलक्षण, शक्तिशाली संदेश देगा। वह यह कि- अब हम सभी के लिए वक्त आ चुका है कि कदम उठाएं और इस साझे गृह की जिम्मेदारी लें।

1 दिसंबर को भारत जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण कर रहा है। इस दौरान वह एक बहुत ही खास स्थिति में है जहां वह दुनिया भर के विकासशील देशों की चिंताओं और वरीयताओं के हक में आवाज उठा सकता है। इंडोनेशिया भारत-ब्राजील की जो जी-20 वाली तिकड़ी है, भारत उसके केंद्र में है। इस प्रतिष्ठित अंतर-सरकारी मंच के 14 साल के इतिहास में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेतृत्व में अपनी तरह की ये पहली तिकड़ी है। लगभग 1.4 अरब की आबादी के साथ, दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी बढ़ती अर्थव्यवस्था के तौर पर भारत के पास गजब का आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रसूख है, जिससे वह ग्लोबल नैरेटिव का प्रभावी मार्गदर्शन कर सकता है ताकि आज की वास्तविकताओं का बेहतर ढंग से प्रतिनिधित्व कर सके। जी-20 का पल भारत के लिए एक ऐसा मौका है जहां वह एक अंतरराष्ट्रीय एजेंडा निर्मित कर सकता है और उसे आगे बढ़ा सकता है। ये एजेंडा है - मिशन 'लाइफ' (पर्यावरण के लिए लाइफस्टाइल), डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, महिला सशक्तीकरण और तकनीक आधारित विकास पर गहरा ध्यान देते हुए समावेशी, न्यायसंगत और स्थायी विकास को आगे की ओर रखना। हालांकि, तेजी से ध्रुवीकृत हो रही इस विश्व व्यवस्था में इन प्राथमिकताओं को उभारना कोई आसान काम

अमिताभ कांत

नहीं है। जी-20 की भारतीय अध्यक्षता ऐसे समय पर आई है जब कुछ अन्य वैश्विक चिंताओं का ग्रहण लगा हुआ है। ये चिंताएं रूस और यूक्रेन युद्ध के दुष्परिणामों और व्यापक आर्थिक मंदी से लेकर विकासशील देशों को प्रभावित करने वाले गंभीर ऋण संकट तक जाती हैं। संयुक्त राष, के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की पृष्ठभूमि में देखें तो कोविड-19 महामारी के कारण तात्कालिक आपदा शमन प्रयासों से दशकों की विकास संबंधी प्रगति में भारी बाधा पड़ी है। ऐसे में सतत विकास को लेकर भारत का विजन ही इस वक्त की जरूरत। है, जो कि वैश्विक अंतरसंबंधों, साझा जिम्मेदारा और एक सर्कुलर इकोनॉमी में निहित है।

इस मिशन को उभारने के लिए भारत जी-20 की अपनी अध्यक्षता की थीम के तौर पर 'वसुधैव कुटुम्बकम् 'या एक धरती, 'एक परिवार, एक भविष्य' को अपना रहा है। प्राचीन संस्कृत पुस्तक महाउपनिषद् से लिया गया यह दर्शन 2014 में भारत की कूटनीतिक विश्वदृष्टि में दिखा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के अपने ऐतिहासिक संबोधन में विश्व परिवार की बात की थी। तब प्रधानमंत्री जी-4 गठबंधन के लिए एक बड़ी भूमिका का आह्वान कर रहे थे और वे इस नीति को 'निल बटे सन्नाटा' के तौर पर न देखने की जरूरत पर बल दे रहे थे। आज, यह संदेश 1. पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक बना हुआ है। क्योंकि मानवता आज तक के अपने सबसे बड़े अस्तित्व के खतरे से जूझ रही है। वह है- जलवायु परिवर्तन का विनाशकारी व्यापक असर। भारत को उम्मीद है कि अपनी थीम से वह

दुनिया भर के नेताओं और वैश्विक नागरिकों को यह याद दिलाएगा कि सबसे छोटे सूक्ष्मजीव से लेकर सबसे बड़े सभ्यगत इकोसिस्टम तक, जीवन के तमाम रूप परस्पर जुड़े हुए हैं। और यह भी कि कैसे ये सझा भविष्य, एक बराबर जिम्मेदारी और व्यक्तिगत हस्तक्षेप को जन्म देता है।

भारत का जी-20 वाला लोगो ऐसे ही दर्शन की बात करता है। कमल, जो कि देश का राष्ट्रीय पुष्प है और विपत्तियों के बीच भी विकास का प्रतीक है, उसमें बैठी पृथ्वी की छवि, दरअसल जीवन को लेकर भारत की 'प्रो-प्लैनेट अप्रोच'की बात करती है। लोगों में केसरिया, सफेद, और हरे रंग का शानदार

मिश्रण दरअसल विविधता और समावेश के सिद्धांतों को दर्शाता है जो कि उसके सांस्कृतिक लोकाचार को रेखांकित करता है। भारत लंबे समय से सार्वभौमिक सद्भाव और सहयोग का वाहक रहा है और आगे भी रहेगा। मिशन 'लाइफ' की अवधारणा इन सिद्धांतों के साथ निकटता से जुड़ी हुई है। प्रधानमंत्री ने नवंबर 2021 में सीओपी-26 (ग्लासगो) में इसका परिचय कराया था और पिछले माह संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेज की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर गुजरात के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर लॉन्च किया था। उन्होंने कहा था कि इस आंदोलन का मकसद 'जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को लोकतांत्रिक बनाना' है जिसमें हर कोई अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे सकता है।'सामाजिक और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर, खपत और उत्पादन के पैटर्न में बदलाव को ध्यान में रखते हुए मिशन लाइफ से उम्मीद है कि वह दुनिया भर में पर्यावरण के लिहाज से टिकाऊ प्रथाओं को प्रोत्साहित करेगा। जी-20 की अध्यक्षता में भारत को अपने सामंजस्यपूर्ण दर्शन और प्राचीन सभ्यता संबंधी उन परंपराओं को दिखाने का मौका मिलेगा जिन्होंने पीढ़ियों से पृथ्वी के साथ अपने समग्र संबंध को कायम रखा है। टिकाऊ प्रथाओं का समृद्ध इतिहास भारत को ऐसे विशिष्ट स्थान पर रखता है जहां वह जलवायु और विकास एजेंडे को एकीकृत करने के बारे में बात कर सके।

भारत डिजिटल वित्तीय समावेशन, डिजिटल पहचान और सहमति आधारित ढांचों के इर्द-गिर्द बातचीत को आकार देने के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्थिति में है और नेतृत्व करने को तैयार है। महिला सशक्तीकरण, 2030 एसडीजी की दिशा में तेजी से प्रगति, कई क्षेत्रों में तकनीक आधारित विकास, हरित हाइड्रोजन, आपदा जोखिम में कमी, खाद्य सुरक्षा और पोषण को बढ़ाना, और बहुपक्षीय सुधार जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में भी भारत नतीजे देने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की है कि ऋण संकट भारत की जी-20 मुद्दों की सूची में शुमार होगा। ऐसे में स्पष्ट है कि यह देश ग्लोबल साउथ के हितों के लिए एक प्रभावी झरोखा बनने को तैयार है और विकसित दुनिया की अलग-थलग चिंताओं को व्यापक एजेंडे पर हावी होने नहीं देगा।

भारत की दुनिया भर में एक मजबूत राजनातिक उपस्थिति है। उम्मीद है कि 'वसुधैव कुटुम्बकम् या 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' की अपनी थीम और लोगो के साथ भारत जी-20 की अध्यक्षता से एक विलक्षण, शक्तिशाली संदेश देगा। वह यह कि - अब हम सभी के लिए वक्त आ चुका है कि हम कदम उठाएं और इस साई ग्रह की जिम्मेदारी लें।

(लेखक, भारत के जी-20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ हैं)

KARTIK KOTHARI
Managing Partner

94141-67041
98297-41414

The Chemical Center

Enriching Labs... Enhancing Lives!

MICROLIT
Merck
EUTECH INSTRUMENTS
REMI
cytiva Whatman
Tarsons TRUST DELIVERED
OHAUS
BOROSIL
MAC
JAYANT TEST SIEVES

H.O. 146, Ashok Nagar, Road No - 8, opp Navbharat School, Udaipur - 313001, India
P: 0294-2410641, 2416341, kothtcc@gmail.com, kritik@thechemicalcenter.com

भारत गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपतिः राजेन्द्र बाबू

राजवीर

जन्मः 3 दिसम्बर, 1884
निधनः 28 फरवरी, 1963

राजेन्द्र प्रसाद भारतीय गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति रहे। उनका जीवन हमारा सार्वजनिक इतिहास है। वे सादगी, सेवा, त्याग और देशभक्ति की प्रतिमूर्ति थे। स्वतंत्रता आंदोलन में अपने आपको पूरी तरह से होम कर देने वाले राजेन्द्र बाबू अत्यंत सरल और गंभीर प्रकृति के व्यक्ति थे। वे सभी वर्ग के लोगों से सामान्य व्यवहार रखते थे। लगभग 80 वर्षों के उनके प्रेरक जीवन के साथ-साथ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दूसरे चरण को करीब से जानने का एक बेहतर माध्यम उनकी आत्मकथा है।

डॉ प्रसाद का जन्म 3 दिसम्बर, 1884 को बिहार के एक छोटे से गांव जीरादेई में हुआ। उनके पूर्वज संयुक्त प्रांत के अमोढ़ा नाम की जगह से पहले बलिया और बाद में सारन (बिहार) के जीरादेई आकर बसे थे। पिता महादेव सहाय की तीन बेटियां और दो बेटे थे, जिनमें वें सबसे छोटे थे। प्रारंभिक शिक्षा उन्हीं के गांव जीरादेई में हुई। पढ़ाई की तरफ रूझान बचपन से ही था। 1896 में वे जब पांचवी कक्षा में थे तब बारह वर्ष की उम्र में उनकी शादी राजवंशी देवी से हुई। आगे पढ़ाई कलकत्ता विश्वविद्यालय में की। जहां उन्हें 30 रूपए महीने की छात्रवृत्ति भी मिली। उनके गांव से पहली बार किसी युवक ने कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने में सफलता प्राप्त कीथी। जो निश्चित ही राजेन्द्र प्रसाद और उनके परिवार के लिए गर्व की बात थी। कलकत्ता प्रेसिडेंसी कॉलेज से 1915 में कानून में मास्टर की डिग्री पूरी की जिसके लिए उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने कानून में डॉक्टरेट की उपाधि भी प्राप्त की। इसके बाद पटना आकर वकालत करने लगे जिससे इन्हें यश और पैसा भी मिला।

बिहार में अंग्रेज सरकार के नील के खेत थे। सरकार अपने मज़दूरों को उचित वेतन नहीं देती थी। 1917 में गांधीजी ने बिहार आकर इस समस्या को दूर करने की पहल की। उसी दौरान डॉ. प्रसाद का महात्मा गांधी से मिलना हुआ जिनकी विचारधारा से वे बहुत प्रभावित हुए। 1919 में पूरे भारत में सविनय आन्दोलन की लहर थी। गांधीजी ने सभी स्कूल, सरकारी कार्यालयों का बहिष्कार करने की अपील की। जिसके बाद डॉ प्रसाद ने भी अपनी नौकरी छोड़ दी। चम्पारण आन्दोलन के दौरान राजेन्द्र प्रसाद गांधी जी के विश्वसनीय साथी बने और स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेकर उसे एक नई ऊर्जा प्रदान की। 1931 में कांग्रेस ने आन्दोलन छेड़ दिया। इस दौरान डॉ प्रसाद को कई बार जेल जाना पड़ा। 1934 में उनको बम्बई कांग्रेस अधिवेशन का अध्यक्ष बनाया गया। वे एक से अधिक बार अध्यक्ष बनाये गए। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया। इस दौरान वे गिरफ्तार हुए और नजरबंद कर दिए गए।

भले ही 15 अगस्त, 1947 को भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई लेकिन संविधान सभा का गठन उससे कुछ समय पहले ही कर लिया गया था जिसके अध्यक्ष डॉ प्रसाद चुने गए थे। संविधान पर हस्ताक्षर करके डॉ. प्रसाद ने ही इसे मान्यता दी।

भारत के राष्ट्रपति बनने से पहले वे एक मेधावी छात्र, जाने-माने वकील, आंदोलनकारी, संपादक, राष्ट्रीय नेता, तीन बार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, भारत के खाद्य एवं कृषि मंत्री, और संविधान सभा के अध्यक्ष रह चुके थे।

26 जनवरी,1950 को भारत को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के रूप में प्रथम राष्ट्रपति मिला। देश के सर्वोच्च पद से 1962 में निवृत होकर वे पटना चले गए और जन सेवा में जीवन व्यतीत करने लगे। 1962 में ही राजनैतिक और सामाजिक योगदान के लिए उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा गया। 28 फरवरी1963 को उनका निधन हो गया। उनके जीवन से जुड़ी कई ऐसी घटनाएं हैं जो यह प्रमाणित करती हैं कि राजेन्द्र प्रसाद बेहद दयालु और निर्मल स्वभाव के व्यक्ति थे। भारतीय राजनैतिक इतिहास में उनकी छवि एक महान और विनम्र राष्ट्रपति की है। 1921 से 1946 के दौरान राजनितिक सक्रियता के दिनों में राजेन्द्र प्रसाद पटना स्थित बिहार विद्यापीठ भवन में रहे थे। मरणोपरांत उसे राजेन्द्र प्रसाद संग्रहालय का रूप दिया गया।

क्रिसमस पर स्वाद का उपहार

रेणु शर्मा

केसर केक

सामग्री: 500 ग्राम मावा, आधार टी स्पून केसर, मिल्क पाउडर 450 ग्राम, चीनी बूरा 10 ग्राम, किशमिश, काजू, बादाम, पिस्ते सभी कटे हुए 200 ग्राम, 2 छोटे चम्मच इलायची पाउडर।

विधि– मावे को मसलकर केसर डालकर अच्छी तरह आंच पर भूने लें, जब मावा केसरिया होकर महकने लगे तो आंच से उतार लें। मिल्क पाउडर और इलायची पाउडर मिला लें। सभी मेवे भी इसमें अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण ठण्डा होने पर चीनी बूरा डालकर अच्छी तरह घोटें। केक की आकृति देकर बादाम, पिस्ता कतरन व किशमिश से सजा दें। केसर केक तैयार है।

क्रिसमस कोको

सामग्री:
1 कप कोको पाउडर, 1 टिन कंडेस्ड मिल्क, 2 कप दरदरे अखरोट, 1 कटोरी नारियल बुरादा, आधा कप मक्खन।

विधि:
सारी सामग्री डालकर अच्छी तरह मिलाएं। जब मिश्रण एकसार होकर कड़ाही छोड़ने लगे तो आंच बंद कर दें। इस मिश्रण को हल्के से घी लगी थाली में फैलाएं और अच्छी तरह जमने दें, फिर इसे अपने पसंदीदा आकार में काट लें। मिठाई क्रिसमस कोको तैयार है।

चॉकलेटी पुडिंग

सामग्री:
2 चॉकलेट, 2 कप क्रीम, चॉकलेट केक का चूरा 3 कप, चॉकलेट बिस्किट के बारीक टुकड़े 1 कटोरी।

विधि:
सबसे पहले चॉकलेट को कद्दुकस कर लें। एक बड़े प्यालें में चॉकलेट केक का चूरा डालें। उसके ऊपर कद्दूकस की गई चॉकलेट बुरकें, इस पर क्रीम की परत लगाएं। क्रीम परत के ऊपर चॉकलेट बिस्किट के टुकड़े डालें, फिर चॉकलेट केक का चूरा डालें। ऊपर से कद्दुकस की गई चॉकलेट डालें। क्रीम से सजाकर ताजा लाल गुलाब की 10–12 पंखुड़ियां बुरक दें। थोड़ी देर फ्रिज में ठण्डा करें, टेस्टी चॉकलेट पुडिंग तैयार है।

क्रिसमस संदेश

सामग्री: 750 ग्राम ताजा पनीर, 1 टी स्पून कोको पाउडर, 3 टी स्पून चाकलेट पाउडर, नारियल पाउडर 2 चम्मच, 1 छोटी कटोरी चीनी, आधा टी स्पून इलायची पाउडर, 25ग्राम बादाम।

विधि– सबसे पहले पनीर में कोको पाडडर, चॉकलेट पाउडर, इलायची पाउडर मिलाकर मिक्सी में पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को एक कड़ाही में गाढ़ा होने तक भूने, फिर इसे आंच से उतार लें। सांचे में बादाम रखकर मिश्रण भरें और निकालें। स्वादिष्ट क्रिसमस संदेश तैयार है। हां, पेश करते समय इसे नारियल पाउडर में ज़रूर लपेटें।

रोल केक

सामग्री: बीज निकली हुई खजूर 500 ग्राम, काजू 350 ग्राम, थोड़ा सा घी।

विधि: खजूर को मिक्सी में पीस लें। काजू बारीक काट लें। चकले पर घी लगाएं। खजूर का पेड़ा बनाकर रोटी की तरह बेल लें। बीच में काजू के टुकड़े भरकर रोल कर लें। रोल को 40 मिनट के लिए फ्रिज में रख पर डेढ़ या दो लें। खजूर के तैयार है।

मिल्क-चॉकलेट केक

सामग्री: 3 कटोरी दूध, 3 ग्लूकोज बिस्किट पैकेट, डेढ़ चम्मच बेकिंग पाउडर, 3 चॉकलेट, 25 नग जैम्स।

विधि: सबसे पहले बिस्किट पीस लें। बिस्किट पाउडर में दूध डालकर घोल बनाएं। फिर इसमें बेकिंग पाउडर डालें और ओवन में 50 मिनट तक बेक करें। बाहर निकालकर गर्म केक पर चॉकलेट के टुकड़े तथा जैम्स सजाएं।

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

परिवार में तनातनी का माहौल, घर के सदस्यों से दूरी रहेगी। कारोबारी क्षेत्र में परिश्रम से ही लाभ होगा, अभी आर्थिक योजनाओं में पूंजी निवेश न करें। छात्रों के लिए संघर्ष का समय है, शैक्षिक क्षेत्र में परिश्रम से सफलता संभव, धार्मिक, सामाजिक कार्यों में रूचि रहेगी।

वृषभ

नौकरी पेशा जातकों को वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग प्राप्त होगा, महत्वपूर्ण पद प्राप्ति की भी संभावना, कार्यक्षेत्र में परिजनों व मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। उज्जवल भविष्य के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। पारिवारिक दायित्वों के निवार्ह में लापरवाही ठीक नहीं। आकस्मिक धन लाभ होगा।

मिथुन

निजी व्यापार या सरकारी क्षेत्र में गैर जिम्मेदार व्यक्ति के बहकावे में न आए। मान–प्रतिष्ठा के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। परिवार में व्यर्थ का तनाव रहेगा। साझेदारी के व्यापार में असमंजस की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य प्रतिकूल रहेगा।

कर्क

शारीरिक कष्ट के कारण प्रत्येक काम में विलम्ब, पत्नी के स्वास्थ्य व बच्चों की शिक्षा को लेकर चिंतित रहेंगे, व्यापारिक क्षेत्र में मित्रों व रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। पैतृक संपत्ति को लेकर चिंता, कानूनी मामलों में व्यर्थ की भागदौड़ संभव, शैक्षिक क्षेत्र में प्रयास सफल होंगे। भाग्य में कुछ समय का अवरोध।

सिंह

नौकरी संबंधित साक्षात्कार में सफलता। किसी नई योजना का शुभारंभ भी कर सकते हैं। जमीन–जायदाद, शेयर्स–बांड, खनिज पदार्थ आदि की खरीद बिक्री से लाभ, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्र में स्थिति सामान्य, परिवार में छुटपुट तकरार व कार्य क्षेत्र में बदलाव संभव।

कन्या

आर्थिक व्यापारिक क्षेत्र में पहले की अपेक्षा सुधार रहेगा, शिक्षा एवं परीक्षा को लेकर चिंतित रहेंगे। बेरोजगार जातकों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। किसी नए काम के लिए नया प्रस्ताव संभव, दाम्पत्य जीवन में मामूली तनाव। किसी भी कार्य योजना में वरिष्ठजनों का परामर्श अवश्य लें।

तुला

व्यापारिक दृष्टि से माह उतार–चढ़ाव वाला, व्यापार के क्षेत्र में उलझनें रहेगी, व्यापार में हानि, कर्मचारियों से धोखा एवं सरकारी हस्तक्षेप से कष्ट की संभावनाएं। माता–पिता, बंधु–बांधव से कुछ खिन्नता, सामाजिक मान–सम्मान में कमी, परिवार में व्यर्थ का वाद–विवाद होगा।

इस माह के पर्व/त्योहार

3 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी	विश्व विकलांग दिवस, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती/गीता जयंती
3 दिसम्बर	मार्गशीर्ष शुक्ल त्रयोदशी	अनंग त्रयोदशी व्रत
18 दिसम्बर	पौष कृष्णा दशमी	श्रीपार्श्वनाथ जयंती
23 दिसम्बर	पौष अमावस्या	किसान दिवस
25 दिसम्बर	पौष शुक्ला द्वितीया/तृतीया	महात्मा ईसा जयंती
29 दिसम्बर	पौष शुक्ला सप्तमी	गुरू गोविंद सिंह जयंती

विवाह मुहूर्त: 4,8,9 व 14 दिसम्बर बुधवार तक विवाह मुहूर्त है। इसके पश्चात 16 दिसम्बर, शुक्रवार से धनु संक्रांति (मलमास) प्रारंभ। विवाह– सगाई एवं मांगलिक कार्य वर्जित।

वृश्चिक

व्यापार व नौकरी के क्षेत्र में चल रहे प्रयास सफल होंगे। वरिष्ठजनों के सहयोग से कार्य में विस्तार, नौकरी में तरक्की, आय में वृद्धि होगी। किसी नए काम के आरंभ में आकस्मिक अड़चनों का सामना करना पड़ेगा। प्रेम संबंधों एवं स्वजनों से विवादास्पद स्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

धनु

व्यावसायिक क्षेत्र में पुराने मित्रों का सहयोग लाभप्रद साबित होगा, परिवार में किसी शुभ समाचार से मानसिक शांति, पहले की अपेक्षा स्थिति में सुधार होगा। पुरानी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा, सम्मान एवं स्वाभिमान की रक्षा होगी, व्यर्थ कार्यों में उलझने से मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है।

मकर

जमीन–जायदाद एवं पैतृक सम्पत्ति को लेकर मानसिक तनाव रह सकता है, किसी प्रकार की बचत नहीं कर पाएंगे, व्यावसायिक क्षेत्र में वांछित लाभ मिलेगा। कोई भी कार्य यदि हठपूर्वक करने का प्रयत्न करेंगे तो परेशानियां झेलनी पड़ेंगी। वरिष्ठ अधिकारियों से मेल–जोल बनाए रखने में ही लाभ।

कुम्भ

नौकरी में कोई महत्वपूर्ण पद या लाभ मिलते–मिलते रह जाएगा। सहकर्मियों का अप्रत्यक्ष विरोध रहेगा, प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े व्यक्तियों की स्थिति में सुधार होगा, घर–गृहस्थी के कार्यों में पत्नी बच्चों का हाथ बटाएंगे। सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हैं तो उलझनें बनीं रहेंगी।

मीन

व्यापार में लाभ, किसी नई योजना की शुरुआत, राजकीय शासकीय सहयोग मिलेगा, किसी भी प्रकार का पूंजी निवेश लाभप्रद रहेगा, शैक्षिक क्षेत्र में अधिक व्यस्तता रहेगी। सत्ता का सुख व व्यक्तिगत संबंधों का लाभ मिलेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वाह बखूबी करेंगे।

महिला समृद्धि बैंक को दो राष्ट्रीय अवार्ड

उदयपुर। उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने सहकारिता क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर दो अवार्ड प्राप्त कर राजस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। बैंक अध्यक्ष डॉ किरण जैन ने बताया कि 'बैंकिग फ्रंटियर' मुम्बई की ओर से 15 से 16 अक्टूबर को राष्ट्रीय सहकारिता अधिवेशन इंदौर में आयोजित किया गया। इसमें उनके साथ

उपाध्यक्ष विमला मूंदड़ा, निदेशक मीनाक्षी श्रीमाली, दिशाश्री भण्डारी, विद्याकिरण अग्रवाल, मुख्यकार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत एवं आईटी हेड निपुण चित्तौड़ा ने भाग लिया। समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व रेलमंत्री सुरेश प्रभु एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक सतीश मराठे ने महिला समृद्धि बैंक को दो अवार्डों से सम्मानित किया।

व्यास स्मृति ग्रंथ का विमोचन

उदयपुर। डॉ. राजशेखर व्यास स्मृति ग्रंथ का विमोचन विद्यापीठ के प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय के सभागार में मुख्य अतिथि पद्मश्री ध्रुपद गायक उमाकांत गुदेंचा भोपाल ने किया। उन्होंने कहा कि डॉ. व्यास मेवाड़ की परंपरा और विरासत के अग्रदूत थे, जिसकी झलक उनमें व उनके परिवार में देखने को मिलती थी। डॉ. व्यास की ख्याति रूद्र वीणा के सफल साधक के रूप में देश-विदेश में थी। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. व्यास का समाज में विशेष स्थान था। उन्होंने इतिहास, पुरातत्व, संगीत, अध्यात्म, साहित्य, संस्कृति, परंपरा, दर्शन, वेद-विज्ञान, वास्तु शास्त्र, शिक्षा के साथ-साथ खेल में भी अपनी छाप छोड़ी।

सीपीएस ने जीता माथुर क्रिकेट कार्निवल कप

उदयपुर। प्रो. एल.एन. माथुर जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित क्रिकेट कार्निवल का फाइनल मैच सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल ने रॉकवुड हाई स्कूल को 177 से हराकर जीता। मैन ऑफ द मैच मिहाफ शेख को दिया

गया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हितेन केवलिया, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हर्षित और आलराउंडर आभास श्रीमाली रहे। फेस्टीवल मैच में उदयपुर वेटरन क्रिकेट टीम ने जयपुर क्लब को 6 विकेट से हराया। मैन ऑफ द मैच नितिन मेनारिया को दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय सिंघल थे। अध्यक्षता पूर्व अंतरराष्ट्रीय अम्पायर रघुवीर सिंह राठौड़ ने की।

विनय को राष्ट्रीय पुरस्कार

उदयपुर। करेंसी मैन के नाम से मशहूर लेकसिटी के डॉ. विनय भाणावत को राष्ट्रीय पुरस्कार 2022 से नवाजा गया। नॉर्थ दिल्ली कल्चरल एकेडमी के मुख्य समन्वयक बिंगी नरेन्द्र गौड़ ने बताया कि डॉ. विनय भाणावत को विश्व स्तरीय करेंसी नोटों के संग्रह हेतु यह सम्मान दिया गया। सम्मान स्वरूप प्रमाण पत्र, पगड़ी, शॉल, स्मृति चिह्न एवं पदक हैदराबाद स्थित कार्यालय से जारी किया गया। जिसे सम्भागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने उन्हें प्रदान कर बधाई दी।

डॉ. दिव्यानी की लाइफ स्टाइल अवार्ड में शिरकत

उदयपुर। सेव द गर्ल चाइल्ड की ब्रांड एंबेसडर डॉ. दिव्यानी कटारा ने मुंबई में दादा साहेब फाल्के फेशन एंड लाइफ स्टाइल अवार्ड में शिरकत की। उन्होंने मोदी जी की बेटी के प्रीमियर में बतौर अतिथि हिस्सा लिया। इस मौके पर महाराष्ट्र के मंत्री रामदास अठावले, मधुरिमा टूली, नायरा, कीर्ति वर्मा, निकिता रावल, आरसी खान, ईशान मर्चेंट आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम दौरान उदयपुर से कॉरियोग्राफर के रूप में राजेश शर्मा को भी सम्मानित किया गया।

रेणु चौबीसा अध्यक्ष

उदयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर द्वारा उदयपुर संभाग की नारी निकेतन समिति का गठन किया गया है। जिसमें अध्यक्ष रेणु चौबीसा को मनोनीत किया गया। समिति उदयपुर संभाग की महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए कार्य करेगी।

सिडलिंग का भविष्योन्मुखी कार्यक्रम

उदयपुर। सिडलिंग ग्रुप ऑफ स्कूल्स तथा ग्लोबल रीच द्वारा छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए गत दिनों एक महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ थे। विद्यालय के निदेशक हरदीप बख्शी, मोनिता बख्शी तथा ग्लोबल रीच एचओओ पवन सोलंकी ने स्वागत किया। कार्यक्रम में छात्रों ने भविष्य निर्माण में सहायक तथ्यों को जाना और समस्याओं पर चर्चा की। 13 विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। सम्मेलन में विद्यार्थियों को विश्व प्रसिद्ध राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए विशेष परामर्श दिया गया। उदयपुर में पहली बार सीडलिंग ग्रुप ऑफ स्कूल्स के तत्वाधान में हुए इस आयोजन में छात्रों तथा अभिभावकों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेने की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। सीडलिंग मॉडर्न पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य कीर्ति माकन तथा सीडलिंग द वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्य राशि रोहतगी ने छात्रों के उज्जवल भविष्य निर्माण की कामनाओं के साथ आभार जताया।

नीरज श्री सीमेंट के एमडी नियुक्त

नई दिल्ली। श्री सीमेंट के निदेशक मंडल में बदलाव करते हुए बी.जी बांगड़ को चेयरमैन एमेरिटस के रूप में नियुक्त किया गया है। इससे पहले बांगड़ ने 14 अक्टूबर को कार्यकाल पूरा होने के मद्देनजर बोर्ड के अध्यक्ष और निदेशक पद से अपना इस्तीफा दे दिया था। इसके मद्देनजर एच.एम बांगड़ को कंपनी का चेयरमैन और प्रशांत बांगड़ को उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया। नीरज अखौरी को कंपनी का नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि बी.जी बांगड़ ने 1979 में श्री सीमेंट लिमिटेड की स्थापना की थी। 1985 में कपंनी की पहली इकाई की स्थापना की गई थी। उधर, श्री सीमेंट ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 189 करोड़ रूपए का मुनाफा कमाया। यह बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले कम है। बीती तिमाही कंपनी की आय हालांकि 18 प्रतिशत बढ़कर 3,781 करोड़ रूपए हो गई। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 3,206 करोड़ रूपए की आय हुई थी। लेकिन पहली तिमाही (4,203 करोड़ रूपए) के मुकाबले कंपनी की आय 10 प्रतिशत कम रही है।

विधि विद्यार्थियों का सिटी पैलेस भ्रमण

उदयपुर। डॉ. अनुष्का विधि महाविद्यालय के निदेशक डॉ. एसएस गुप्ता ने बताया कि महाविद्यालय के बीए-एलएलबी पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने सीटी पैलेस का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सीटी पैलेस म्यूजियम का अवलोकन किया। ऐतिहासिक जानकारी हासिल करने के साथ ही पीछोला का मनमोहक दृश्य देखा। प्राचार्य डॉ. क्षेत्रपाल सिंह ने बताया कि भ्रमण महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. राजेंद्र मीणा व नवनीत सोलंकी के निर्देशन में हुआ।

कवि सुरेन्द्र शर्मा का सम्मान

उदयपुर। प्रख्यात कवि सुरेन्द्र शर्मा का एक दिवसीय उदयपुर प्रवास पर जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, रजिस्ट्रार डॉ. हेमशंकर दाधीच ने उपरणा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रो. सारंगदेवोत ने विद्यापीठ द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं नवाचारों की जानकारी शर्मा को दी। डॉ. अवनिश नागर, डॉ. चन्द्रेश छतलानी, कृष्णकांत कुमावत, सहित कार्यकर्ताओं ने शर्मा का सम्मान किया।

मधु एवं डॉ.माधव को बिहारी पुरस्कार

उदयपुर। साहित्यकार मधु कांकरिया एवं डॉ. माधव हाड़ा को 2021-2022 का 31 वां एवं 32 वां बिहारी पुरस्कार गत दिनों संयुक्त रूप से सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. आईवी त्रिवेदी, कुलपति, सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने दोनों साहित्यकारों को ढाई लाख रूपए, प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिह्न प्रदान किए। ये पुरस्कार मधु कांकरिया को उनके उपन्यास 'हम यहां थे' एवं डॉ. माधव हाड़ा को उनकी आलोचनात्मक कृति 'पचरंग चोला पहर सखी री' के लिए दिया गया।

विप्र कल्याण बोर्ड अध्यक्ष का उदयपुर दौरा

उदयपुर। राज्य विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा ने उदयपुर प्रवास के दौरान कन्हैया लाल हत्याकांड के चश्मदीद राजकुमार शर्मा के निवास पर जाकर उनकी कुशल क्षेम जानी। राजकुमार की पत्नी से बात कर हर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने एक फिजियोथैरेपिस्ट और केयरटेकर लगाने की बात कही। इस पर शर्मा ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. लाखन पोसवाल और सीएमएचओ डॉ. शंकरलाल बामनिया को पत्र लिखकर व्यवस्था के निर्देश दिए।

राधा-गिरधारी मंदिर शिलान्यास

उदयपुर। सनातन धर्म के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित अंतरराष्ट्रीय स्तर की संस्था इस्कॉन द्वारा नाथद्वारा रोड पर चीरवा टनल के आगे 3.5 एकड़ की पहाड़ी पर 35 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले श्री राधा गिरधारी मन्दिर निर्माण का शिलान्यास 7 दिसम्बर को प्रस्तावित है। यह जानकारी मायापुरवासी आचार्य मदन गोविन्ददास ने दी। उन्होंने बताया कि इस वृहद परियोजना में प्रमुख उद्योगपति रवि बर्मन, वोलकेम के पूर्व सीइओ सुतीन्द्र महाजन, यूसीसीआई के सदस्य राकेश माहेश्वरी, रोटरी क्लब एलीट के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता व आर्किटेक्ट सुनील लड्ढा भी जुड़े हुए हैं।

शहीद मुस्तफा की स्मृति में रक्तदान शिविर

उदयपुर। शहीद मेजर मुस्तफा की स्मृति में गत दिनों बोहरा यूथ मेडिकल रिलीफ सोसायटी और शिफा त्रिवेदी हॉस्पिटल द्वारा फतहपुरा स्थित शिफा त्रिवेणी पर रक्तदान शिविर और नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ लाखन पोसवाल और विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल ललित शेरिंग थे। शहीद मेजर मुस्तफा के माता-पिता और बहन भी कार्यक्रम में उपस्थित रही। सर्वप्रथम शहीद मेजर मुस्तफा को पुष्पांजलि अर्पित की गई। शहीद मेजर मुस्तफा की माता फातिमा बाई को विशेष सेवा सारथी सम्मान से सम्मानित किया गया।

डॉ अरविंदर इंटरनेशनल एजुकेशन बोर्ड लंदन में शामिल

उदयपुर। अर्थ डायग्नोसिस के डॉ अरविंदर सिंह की शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, रिसर्च और कॉस्मेटोलोजी में कुशलता के आधार पर उन्हें लन्दन के इंटरनेशनल एजुकेशन बोर्ड में सदस्यता प्रदान करने के साथ डिपार्टमेंट ऑफ एस्थेटिक्स एंड कॉस्मेटोलॉजी के अंतरराष्ट्रीय शिक्षा विभाग का हेड भी बनाया गया है। डॉ सिंह ने सफलतापूर्वक क्लिनिकल कॉस्मेटोलॉजी व कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में हजारों मरीजों का इलाज किया व आधुनिक पद्धति के साथ सराहनीय कार्य कर इंटरनेशनल बोर्ड की सदस्यता प्राप्त की। शीघ्र ही डॉ सिंह ट्रेनिंग के लिए फिलिपिंस-जापान जाएंगे।

एक्सिस बैंक शाखा का उद्घाटन

उदयपुर। एक्सिस बैंक की शोभागपुरा शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, राजस्थान अंचल प्रमुख एवं सीनियर वाइस प्रेसिडेंट नीरज जैन, उदयपुर क्लस्टर प्रमुख एवं वाइस प्रेसिडेंट हरिंदरपाल सिंह कोहली और शाखा प्रबंधक विकास मंडोवरा ने किया। वर्तमान में एक्सिस बैंक लिमिटेड की राजस्थान राज्य में 178 शाखाएं और 380 एटीएम हैं।

टॉपर्स का सम्मान

उदयपुर। कालका माता रोड स्थित रॉयल संस्थान से आइसीएआर-सीयूइटी 2022 परीक्षाओं में बेहतर परिणाम देने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जोधपुर कृषि महाविद्यालय के पूर्व डीन डॉ. भारतदान चारण ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह थे। संस्था निदेशक के अनुसार सम्पूर्ण भारत में कृषि वर्ग में प्रथम रैंक लाने पर सीकर निवासी सोनिका जाट एवं सीयूइटी 2022 में सम्पूर्ण भारत में 100 परसेंटाइल लाने पर राजसमंद निवासी साक्षी पालीवाल को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था निदेशक जी.एल.कुमावत ने टॉप विद्यार्थियों को स्कूटी देने की घोषणा की।

हस्त उत्पाद श्रृंखला का शुभारंभ

उदयपुर। चित्रकूट नगर स्थित श्रीजी विश्वास संस्थान में विधानसभाध्यक्ष डॉ.सीपी जोशी, उद्योग मंत्री शकुंतला रावत, मिस वर्ल्ड रनरअप सुमन राव, वृंदावन के संत कपिल देव ने महिलाओं के हाथों निर्मित उत्पादों की श्रृंखला का शुभारंभ किया। निदेशक शेखर कुमार और इंदिरा मीणा ने उत्पादों की जानकारी दी।

जिला खेल अधिकारी सम्मानित

उदयपुर। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन पर जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन को मंगलवार को जयपुर में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद अध्यक्ष कृष्णा पूनिया ने सम्मानित किया। इसमें हुसैन ने पूनिया को जिला प्रशासन की ओर से ग्रामीण ओलंपिक के आयोजन के लिए की गई तैयारी एवं प्रयासों के बारे में बताया। सम्मान समारोह में राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. गोवर्धन लाल शर्मा भी उपस्थित थे।

स्टेट कॉर्डिनेटर बनी कामिनी

उदयपुर। जिला परिषद सदस्य कामिनी गुर्जर को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा विभाग में स्टेट कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केप्टन अजयसिंह यादव के निर्देश पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नियुक्त किया है। गुर्जर गोगुंदा से जिला परिषद सदस्य है। राजेश दया को ओबीसी विभाग उदयपुर शहर का अध्यक्ष तथा ओम राठौड़ को ओबीसी विभाग उदयपुर का शहर कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया।

सीमा चोरडिया सदस्य मनोनीत

उदयपुर। राज्य सरकार द्वारा उदयपुर देहात महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा चोरडिया को राजस्थान समाज कल्याण बोर्ड में सदस्य मनोनीत किया गया है। इनका कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा।

एटीएल लैब और बैडमिंटन कोर्ट का शुभारंभ

उदयपुर। वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत ने शहर के सरदारपुरा स्थित सेंट्रल एकेडमी स्कूल में एटीएल प्रयोगशाला व बैडमिंटन कोर्ट का शुभारंभ किया। उन्होंने सेंट्रल एकेडमी स्कूल के चेयरमैन डॉ. संगम मिश्र को ब्रिटिश पार्लियामेंट लंदन में सम्मानित होने पर बधाई दी और इसे विद्यालय के लिए गौरव बताया। विशिष्ट अतिथि राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति कर्नल प्रो. एसएस सारंगदेवोत थे।

व्यास औदिच्य समाज के महासचिव

उदयपुर। सहस्त्र औदिच्य समाज उदयपुर की नवनिर्वाचित अध्यक्ष इंदिरा शर्मा ने कार्यकारिणी में राहुल व्यास को महासचिव, दिनेश दवे, दिलीप व्यास, गोपाल कृष्ण रावल को उपाध्यक्ष, लोकेश रावल को कोषाध्यक्ष, सुशील आचार्य सहकोषाध्यक्ष, डॉ. योगेश जानी सचिव, डॉ. रेखा व्यास संगठन सचिव, पूर्व अध्यक्ष लोकेश द्विवेदी को विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया।

मेघवाल ने लिया बुजुर्गों का आशीर्वाद

उदयपुर। आपदा प्रबंधन एवं सहायता मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने तारा संस्थान द्वारा संचालित कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम, सेक्टर-14, उदयपुर में बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। संस्थान अध्यक्ष कल्पना गोयल व सचिव दीपेश मित्तल ने वृद्धाश्रम में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। वृद्धाश्रम आवासी राजकुमार कुमावत ने मंत्री का सम्मान किया।

दया अध्यक्ष, राठौड़ समन्वयक

उदयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग उदयपुर शहर जिला में पुन: जिलाध्यक्ष राजेश दया साहू व शहर जिला कोर्डिनेटर पद पर ओम प्रकाश राठौड़ को मनोनीत किया गया।

डॉ. गुप्ता ने दिए लाइफ स्टाइल पर टिप्स

उदयपुर। संजीवनी सीनियर सिटीजन सोसायटी पर मेजबानी में लाइफ स्टाइल मैनेजमेंट पर कार्यशाला हुई। इसमें लाइफ स्टाइल मैनेजमेंट गुरू व अरावली हॉस्पिटल के निर्देशक डॉ. आनंद गुप्ता ने वरिष्ठजनों को तनाव कम करने और बेहतर जीवन जीने के गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि बेहतर जीवन जीने के लिए तनाव कम करना बहुत जरूरी है। डॉ. गुप्ता ने बैकुंठ स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2022 में बतौर मुख्य अतिथि खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए।

'सनाढ्य सरिता' अंक का विमोचन

उदयपुर। सनाढ्य समाज साहित्य मंडल की मेजबानी में समाज की पत्रिका सनाढ्य सरिता के दीपावली अंक का विमोचन मेवाड़ महामंडलेश्वर महंत रास बिहारी शरण महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। यह जानकारी अनिल शर्मा ने दी।

युग का सम्मान

उदयपुर। राष्ट्रीय स्तर के तैराक युग चेलानी का खेलो इंडिया के तहत विभिन्न पदकों का विजेता बनने पर कलक्टर ताराचंद मीणा ने अभिनंदन किया। जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन ने बताया कि कलक्टर ने युग से उपलब्धियों के बारे में जानकारी लेते हुए सराहना की। गिर्वा एसडीएम सलोनी खेमका ने भी युग को प्रोत्साहित किया।

कलाल ने संभाला पदभार

उदयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2011 बैच के अधिकारी मुकेश कलाल ने जिला आबकारी अधिकारी का पदभार संभाला। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पद से स्थानांतरित होकर आए कलाल ने पदभार ग्रहण करने के बाद कार्यालय का निरीक्षण किया और प्रभारी अधिकारियों से विभागीय गतिविधियों के बारे में जानकारी ली।

पोसवाल फिर बने राजस्थान प्रतिनिधि

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ लाखन पोसवाल भारतीय शिशु अकादमी के राजस्थान प्रतिनिधि चुने गए हैं। ऑनलाइन वोटिंग में 1350 शिशु रोग विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया था। इसमें से डॉ पोसवाल को 651 वोट मिले। इसके साथ ही पोसवाल दूसरी बार राजस्थान प्रतिनिधि चुने गए हैं, जबकि दूसरे स्थान पर रहे चिकित्सक को 539 वोट मिले। डॉ. पोसवाल इससे पूर्व वर्ष 2018 में भी राजस्थान प्रतिनिधि रह चुके हैं।

नेशनल स्टील मार्ट ने शुरू किया अपना दूसरा शोरूम

उदयपुर। हिरण मगरी कॉलोनी में एनएसएम-2 मल्टी ब्रांड क्राकरी एवं होम यूटिलिटी स्टोर प्रारंभ हुआ, जहां घेरूलू एवं व्यावसायिक इस्तेमाल की सभी प्रकार की क्राकरी, कटलरी, एवं स्टील, पीतल, आयरन से बने बर्तनों के मुख्य ब्रांड वाजिब दामों पर उपलब्ध रहेंगे। नेशनल स्टील मार्ट के संस्थापक मोहम्मद युसूफ मंसूरी ने बताया कि यह स्टोर हमारे आर के सर्कल स्थित नेशनल मार्ट के फैक्ट्री आउटलेट से भी बड़ा है, हम विगत कई दशकों से शहरवासियों को बेस्ट क्वालिटी, किफायती दाम और बेहतर कस्टमर सर्विस के साथ सेवा दे रहे हैं, हमारे ग्राहकों का ही विश्वास और भरोसा है कि हमने व्यवसाय को आगे बढ़ा शहर में दो बड़े स्टोर स्थापित किये। नए स्टोर का उद्घाटन लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने किया।

राजीविका कार्यशाला सम्पन्न

उदयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद की संभाग स्तरीय बैठक गत दिनों हुई। ग्रामीण विकास विभाग सचिव व स्टेट मिशन निदेशक मंजू राजपाल ने ऑनलाइन जुड़कर महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। अध्यक्षता परियोजना निदेशक हरदीप चोपड़ा ने की। जिला परिषद सीईओ मयंक मनीष ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को उपखंड प्रशासन को सभी योजनाओं का लाभ समूह की महिलाओं को दिलाने हेतु निर्देशित किया। जिला परियोजना प्रबंधक अनिल पहाड़िया ने कार्यशाला के उद्देश्य व लक्ष्यों के बारे में बताया। संचालन राजीविका के जिला प्रबंधक भेरूलाल बुनकर ने किया।

डॉ. कुंजन आचार्य को 'माणक अलंकरण'

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के

विभागाध्यक्ष डॉ कुंजन आचार्य को पत्रकारिता क्षेत्र का प्रतिष्ठित 'माणक अलंकरण-विशिष्ट पुरस्कार' गत दिनों जोधपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदान किया। इसके तहत प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, श्रीफल, कलम और 7100 रूपये की राशि मुख्यमंत्री गहलोत ने डॉ. आचार्य को प्रदान की। जैनाचार्य डॉ. लोकेश मुनि एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुभाष गर्ग भी मंच पर उपस्थित थे।

इन्दिरा जी व झांसी की रानी पर सूक्ष्म पुस्तिका निर्माण

उदयपुर। शहर के जाने माने मिनीएचर आर्टिस्ट चन्द्र प्रकाश चित्तौड़ा ने देश की पूर्व

प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की 105 वी जयंती पर उनके जीवन पर लघु पुस्तिका का निर्माण किया। चित्तौड़ा ने स्वाभिमान व आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाली वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की 187वीं जयंती पर एक सचित्र सूक्ष्म पुस्तिका बनाई है जिसमें महारानी लक्ष्मीबाई के बचपन, व्यक्तित्व, युद्ध-संघर्ष आदि पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है।

नारी निकेतन सदस्य मनोनीत

उदयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार द्वारा उदयपुर संभाग से राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. अलका शर्मा, डॉ. कविता शर्मा व प्रिया कोठारी को नारी निकेतन का सदस्य नियुक्त किया गया है। समिति का कार्यकाल 2 वर्ष का होगा। समिति महिला सदन व नारी निकेतन उदयपुर के क्रिया-कलापों एवं गतिविधियों को निर्धारित एवं नियंत्रित करेगी।

डॉ. पाइवाल मोस्ट प्रोमिसिंग फिजियोथेरेपिस्ट ऑफ द ईयर

उदयपुर। स्पाइन फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. गौरव पाइवाल को मुंबई में हुए नेशनल हेल्थ केयर प्राइड अवार्ड्स 2022 में मोस्ट प्रोमिसिंग फिजियोथेरेपिस्ट ऑफ द ईयर इंडिया 2022 के अवार्ड से नवाजा गया। डॉ. गौरव को यह सम्मान कमर और गर्दन की गादी में होने वाली स्लिप डिस्क के क्षेत्र में किए सराहनीय काम के लिए दिया गया है।

'पृथ्वी गंधमयी तुम' का विमोचन

उदयपुर। नंद चतुर्वेदी फाउंडेशन और कोटा खुला विश्वविद्यालय की ओर से गत दिनों अनुराग चतुर्वेदी की 'कथा आख्यान पृथ्वी गंधमयी तुम' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में बिहारी पुरस्कार विजेता माधव हाड़ा ने कहा कि इस पुस्तक में एक स्मृति यात्रा है। हिंदी में कथेतर लेखन की नई परम्परा का जन्म हो रहा है, मूल प्रश्न के सम्पादक प्रो. वेदान सुधीर ने कहा कि यह पुस्तक बदलाव के संकेत और रोचक जानकारी देती है।

मीनाक्षी दुबई इंटरनेशनल कॉन्टेस्ट में भाग लेंगी

उदयपुर। नई दिल्ली में हुई मिसेज इंडिया कॉस्मो इंटरनेशनल कांटेस्ट के फिनाले में लेकसिटी की मीनाक्षी शर्मा ने मिसेज इंडिया का खिताब अपने नाम किया। मीनाक्षी ने प्रतियोगिता के तीन राउंड में जूरी के सामने शानदार प्रदर्शन किया। अब वे अगले साल दुबई में होने वाले ग्रांड फिनाले इंटरनेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वे गायक और कुशल नृत्यांगना भी है। मीनाक्षी के उदयपुर आने पर एयरपोर्ट पर लेकसिटी ब्यूटी क्लब की महिलाओं ने स्वागत किया।

वल्लभ पदयात्रा संघ का स्वागत

उदयपुर। वल्लभ पदयात्रा संघ नडियाद ने 6 नवम्बर को रवाना हुई, जो करीब 310 किलोमीटर की यात्रा करते हुए नाथद्वारा होते हुए सोमवार की उदयपुर गुजराती समाज सेक्टर-11 भवन पहुंची। इस पदयात्रा में 60 सदस्य है, इनमें 15 सदस्य 60 वर्ष से ऊपर के हैं और 11 महिलाएं हैं। दो बच्चे भी हैं, जिनकी उम्र 10 से 11 वर्ष की है। पदयात्रा में दीपक भाई,पूनम चन्द शाह, मुकेश भाई,अम्बालाल भाई शाह, अतुल, अम्बालाल गांधी एवं हितेन्द्र काशीनाथ भाई आदि का उदयपुर गुजराती समाज के अध्यक्ष राजेश बी मेहता ने उदयपुर पहुंचने पर उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्रीमती पुष्पा देवी जी धर्म पत्नी स्व. महेश जी दीक्षित का 6 नवम्बर को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र गोविन्द दीक्षित, पुत्री तेजेश्वरी मोड़ तथा पौत्र, पौत्री व दोहित्र- दोहित्र समेत भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री प्रतुल कुमार लाल का 1 नवम्बर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपनी पीछे शोकाकुल माता श्रीमती मरसीलाल, धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता लाल, पुत्री प्रशंसा लाल व भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री केशरीमल जी पोखरना (कालू बापू) का 4 नवम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती बसंती देवी, पुत्र प्रकाश, कमल व विनोद पोखरना, पुत्रियां श्रीमती आशा नंदावत व इन्द्रा मलारा सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध एवं सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। शतायु श्री कन्हैयालाल जी काबरा का 27 अक्टूबर को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र घनश्याम काबरा पुत्री राजकुमारी मंडोवरा तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती तुलसी देवी जी धर्म पत्नी श्री नंदकिशोर जी कुराड़िया का 26 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र वधू शांता देवी, कनिष्ठ पुत्र नीलकंठ, पुत्रियां श्रीमती गीता, चन्द्रकला व सुशीला सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री रणजीत सिंह दरड़ा का सुपुत्र श्री केशरी सिंह जी दरड़ा (मांडलगढ़) का 27 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र प्रताप व संजय दरड़ा, पुत्री ज्योत्सना सिसोदिया सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। डॉ.प्रेम सिंह जी परिहार (न्यूरोफिजिशयन यूएसए) का 7 अक्टूबर को वार्नर राबिन्स, अटलांटा (अमेरिका) में आकस्मिक निधन हो गया। राबिन्स में उनका अन्तिम संस्कार उनके बड़े भ्राता-भाभी डॉ. महावीर सिंह-डॉ.सुमन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। वे अपने पीछे ज्येष्ठ भ्राता अमर सिंह, डॉ. बलवन्त सिंह व भतीजे-भतीजियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सोहनलाल नागदा (जैन)का 17 अक्टूबर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती वदनी देवी, पुत्र अशोक व अनिल नागदा, पुत्री रेखा पंचोली सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्री , दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। डॉ. तेज सिंह जी सिंघटवाड़िया का 8 नवम्बर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा देवी, पुत्र जनप्रिय, पुत्रियां डॉ. सरिता शाह व डॉ. रचना तथा पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री तथा भाई-भतीजों का वृहद एवं सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

सलूम्बर। श्री धूरीलाल जी पंचोलिया की धर्म पत्नी श्रीमती सुन्दर देवी जी का 9 अक्टूबर को देहांत हो गया। वे अपनी पीछे शोकसन्तप्त पति, पुत्र बंशीलाल व रमेश पंचोलिया, पुत्रियां वीणा, आशा पंचालिया का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। पूर्व पार्षद एवं यूआईटी ट्रस्टी श्री प्रभुदास जी पाहुजा का 17 नवम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र सुरेश, किशोर,पुत्र वधू राखी समेत पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कमला देवी जी चौधरी (धर्मपत्नी स्व. भूपाल सिंह जी चौधरी) का 12 नवम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र अनिल व आशीष चौधरी, तथा पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। प्रबुद्ध साहित्यकार- कवि एवं बिहारी पुरस्कार प्राप्त डॉ. भगवती लाल जी व्यास का 17 नवम्बर प्रात: देहावसान हो गया। वे 81 वर्ष के थे। हिंदी व राजस्थानी भाषा में उनके कई कथा व काव्य संग्रह प्रकाशित हुए। उनके निधन पर पूर्व मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, बाल साहित्य अकादमी सदस्य विमला भंडारी, राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष दूलाराम सहारण, युगधारा के संस्थापक डॉ. ज्योतिपुंज, महासचिव तरूण दाधीच, अध्यक्ष अशोक मंथन, प्रत्यूष के प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी, पुरुषोत्तम पल्लव, कांग्रेस नेता पंकज शर्मा, डॉ. जय-प्रकाश भाटी 'नीरव' डॉ. लक्ष्मी नारायण नंदावाना, इन्द्र प्रकाश श्रीमाली, डॉ. महेन्द्र भानावत आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है। डॉ. व्यास अपने पीछे शोक सन्तप्त पत्रकार पुत्र महेश व्यास, नरेश व्यास, पुत्रियां बसंत प्रभा त्रिपाठी व दीपिका सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

St. Anthony's Sr. Sec. School

Affiliated to CBSE, New Delhi

Wishing you all a

Merry Christmas

&

A Happy Peaceful & Prosperous New Year 2023

478/479, Sector-4, Hiran Magri, Udaipur
School Ext. Goverdhan Vilas, Udaipur

Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.

FLAMES RESTAURANT

(Multi Cuisine)
(A Unit of Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.)
Ph :- 0294-2425694 M.:- 09649466662

Spa-Beer Bar-Banquet Hall

93, Opp. M.B. College, Darshanpura, Airport Road,Udaipur (Raj.) Tel :- 0294-2425690-93
Email :- raghumahalhotels@gmail.com Website :- www.raghumahalhotels.com

CHUNDA PALACE

MAJESTIC INVITING TRANQUIL

JOYFUL MAGICAL POETIC

SUBLIME ETERNAL INSPIRING

MUCH MORE THAN A HOTEL

1 Haridas Ji Ki Magri, Main Road,
Udaipur 313001, Rajasthan, India

Reservations: +91-294-2430251-252, 2430492
Facsimile: +91-294-2430889

E-mail: info@chundapalace.com
Website: www.chundapalace.com

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

राज्य सरकार का है यह सपना – सबका आवास हो अपना।

श्री अशोक गहलोत

नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान

प्रशासन शहरों के संग अभियान- 2021

श्री शान्ति धारीवाल

प्रशासन शहरों के संग अभियान, 2021 के अन्तर्गत अभियान अवधि में प्रदत्त रियायतें

- दिनांक 17-06-1999 से पूर्व की कॉलोनियों के भूखण्ड धारकों को पूर्व में जारी मॉंग पत्र पर ब्याज दर 15 प्रतिशत के स्थान पर 9 प्रतिशत की गई।
- बकाया लीज राशि एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज में शत प्रतिशत छूट ।
- बकाया लीज राशि व अग्रिम 10 वर्ष व 8 वर्षों की एक मुश्त लीज राशि जमा कराने पर बकाया लीज पर 60 प्रतिशत की छूट ।
- सभी नियमों में ब्याज दर 15 प्रतिशत के स्थान पर 9 प्रतिशत की गई।
- भू-उपयोग परिवर्तन के निर्णय पश्चात् पुराना पट्टा (लीज डीड) समर्पण करा 10 वर्ष/2 वर्ष की लीज राशि लेकर नया फ्री-होल्ड पट्टा दिया जा रहा है।
- EWS/LIG/MIG-A के आवास व भूखण्डों के बकाया राशि व किश्तें एक मुश्त जमा कराने पर ब्याज व शास्ति में शत प्रतिशत छूट ।
- नगर विकास प्रन्यास से EWS एवं LIG श्रेणी में आवंटित आवास अथवा आप द्वारा EWS एवं LIG श्रेणी के क्रय किये गये आवास का लीज होल्ड से फ्री-होल्ड का पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। आप द्वारा क्रय किये गये आवास का नामांतरण भी अगर आप द्वारा करवा लिया गया है, तो राज्य सरकार द्वारा ऐसे आवास का भी चिरकालीन (फ्री होल्ड) पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है।

मेरे आवास का पट्टा मेरे नाम

(अपने आवास का लीज होल्ड से फ्री-होल्ड पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर)

(चिरकालीन फ्री-होल्ड पट्टा प्राप्त करें)

माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा बजट घोषणा 2022 – 23 में " प्रशासन शहरो के संग अभियान– 2021" की अवधि 24–03–2023 तक बढायी जा कर समस्त छूट / शिथिलताएँ / दरें एवं शक्तियां पूर्वानुसार रखते हुए आम जन को आवेदन व फ्री होल्ड पट्टो का लाभ लेने का सुअवसर प्रदान किया है।

- अभियान अन्तर्गत नगर विकास प्रन्यास से EWS एवं LIG श्रेणी में आवंटित आवास अथवा आप द्वारा EWS एवं LIG श्रेणी के क्रय किये गये आवास का लीज होल्ड से फ्री–होल्ड का पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। आप द्वारा क्रय किये गये आवास का नामांतरण भी अगर आप द्वारा करवा लिया गया है, तो राज्य सरकार द्वारा ऐसे आवास का भी चिरकालीन (फ्री होल्ड) पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है।
- आपने एक मुश्त लीज जमा करा कर 99 वर्ष के लिए पट्टा जारी कराया है, तो अपने आवास का फ्री होल्ड (चिरकालीन) पट्टा आप मात्र दो वर्ष की लीज राशि ओर जमा करवा कर प्राप्त कर सकते है। फ्री–होल्ड पट्टे की अवधि कभी समाप्त नहीं होगी। फ्री–होल्ड पट्टे से आपकी आने वाली पीढ़ीयों को लीज राशि जमा करवाने से सदा के लिये मुक्ति मिल जायेगी।
- राज्य सरकार द्वारा बहुत ही कम लीज राशि में आपके आवास का फ्री–होल्ड पट्टा प्रदान किया जा रहा है।
- आवास के फ्री होल्ड पट्टे का पंजीकरण मात्र 500 रुपये में होगा।
- फ्री–होल्ड पट्टे का आवेदन प्रन्यास की डोर स्टेप डिलिवरी के कॉल सेन्टर नम्बर 9587895454 पर फोन करके करवाया जा सकता है।
- फ्री–होल्ड पट्टे हेतु कोई आवेदन शुल्क देय नही हैं।

सचिव
नगर विकास प्रन्यास

जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष
नगर विकास प्रन्यास

BADALA CLASSES

BADALA'S जुनियर कॉलेज

SCHOOLING + COACHING

BADALA'S COMMERCE INTEGRATED PROGRAMME (एक छत के नीचे)

XI & XII
CBSE & RBSE

BCIP एक ऐसा Programme जो स्कूल व कोचिंग एक ही स्थान पर Provide करता है जिससे Students के पास Self Study, Professional Study, Other Activities के लिए Sufficient time मिलता है।

Schooling और Coaching एक साथ

10th CBSE TOPPERS
WHO HAVE JOINED BCIP AS THEIR CAREER PATH

98.4%

NILAY DANGI

98%

DAKSH LODHA

97.6%

TITHI BOHRA

97.2%

VIBHA RAJUROHIT

97.2%

HEMAKSHI DIWAN

96.8%

TANISH MEHTA

96.8%

DEEKSHA AGRAWAL

96.8%

PRIYANSHI MATHUR

95.2%

PARI RAJPUROHIT

95.2%

TANVI JAIN

95%

NITISH MAHESHWARI

95%

HARDIK SANGANERIA

94.8%

AYUSHI JAIN

94.8%

SHREYA CHHABRA

94.8%

KRATI GARG

94.8%

NEHAL KOTHARI

Study Centre: Khalsa School Premises, Guru Ramdas Colony, Udaipur (Raj.)

Contact : 9413495256, 9602609338, 9460253289

badalaclassescacs@gmail.com Badalaclasses www.badalaclasses.in

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001